RADIANT ACADEMY
(AFFILIATED TO CBSE)
B-180, sector-55, noida Ph: 120-4314312/ 6514636
Mob. : 9350251631/ 9674710772 E-mail: radiantacademynoida@yahoo.com
RADIANT ACADEMY
(J.H.S.) (AFFILIATED TO CBSE)
Sorkha, Sector- 115, noida on Fng Ph: 120- 6495106,
Mob. : 9873314814/ 9674710772 E-mail: radiantacademysorkha@yahoo.com
Let your child Explore the world with us in a Secure Environment!
We are a Co-Educational Medium Senior Secondary School
imparting quality education since the last 20 years.
FROM ADMISSION OPEN NURSERY TO CLASS XI Transport Facility Available
FACILITIES AVAILABLE AT SCHOOL : ●Highly Qualified And Trained Faculty well Quipped Labs ●CCTV Controlled Environment ●Activity Based Learning ● Well Equipped Library ●GPS Enable Buses

आज की खबर आज ही

जनाकांक्षाओं का सजग प्रहरी

चेतना मंच

पेज 7 फिल्म जी ले जरा को लेकर...

वर्ष : 26 | अंक : 345 | website:www.chetnamanch.com | नोएडा, शुक्रवार, 06 दिसंबर, 2024 | Chetna Manch | Chetna Manch | मूल्य 2.00 रु. | पेज: 8

कांग्रेस सांसद की बैंच से मिले 'नोटों के बंडल'

नोटों के बंडल मिलने की होगी जांच : सभापति

नई दिल्ली (एजेंसी)।

संसद के शीतकालीन सत्र के दौरान राज्यसभा में कांग्रेस के बेंच पर नोटों की गड्डी मिलने पर सदन में जबरदस्त हंगामा हुआ। सभापति जगदीप धनखड़ ने खुद ये बात सदन में कही है। उन्होंने कहा है कि ये गंभीर मामला है और इसकी जांच हो रही है। भाजपा ने इस मुद्दे पर कांग्रेस पर करारा हमला बोला है।

दरअसल, शुक्रवार को सभापति जगदीप धनखड़ ने जानकारी दी,'कल (गुरुवार) सदन की कार्यवाही स्थगित होने के बाद सुरक्षा अधिकारियों ने हमें जानकारी दी कि सीट नंबर 222 से कैश मिला है। यह सीट तेलंगाना से सांसद अभिषेक मनु सिंघवी को अलॉट की गई है. इस मामले में नियमों के मुताबिक जांच होनी चाहिए और यह हो भी रही है।'

राज्यसभा में सभापति जगदीप धनखड़ ने जैसे ही नोट मिलने की बात कही, विपक्षी सांसदों ने हंगामा शुरू कर दिया. कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि जब तक मामले की जांच चल रही है और सब कुछ स्पष्ट नहीं हो जाता, तब तक आपको (सभापति) उनका (अभिषेक मनु सिंघवी) नाम नहीं बोलना था।

खड़गे के बयान पर सत्ता पक्ष के सांसदों ने हंगामा किया। इस पर खड़गे ने कहा कि ऐसा चिल्लर काम करके ही देश को बदनाम किया जा रहा है. आप (सभापति) किसी खास का नाम और सीट के बारे में कैसे कह सकते हैं? खड़गे के आरोपों पर सभापति ने कहा कि उन्होंने यह बताया है कि किस सीट पर मिला है और यह किसे अलॉट की गई है।

सदन की गरिमा पर कुठाराघात : नड्डा

बीजेपी चीफ और केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा ने कहा कि यह बहुत दुर्भाग्यपूर्ण और गंभीर मुद्दा है। यह सदन की गरिमा पर कुठाराघात है।. मुझे विश्वास है कि सही जांच होगी. मुझे उम्मीद थी कि हमारे विपक्ष के नेता भी विस्तृत जांच की मांग करेंगे। विपक्ष को हमेशा सद्बुद्धि रखनी चाहिए। स्वस्थ मन और स्वस्थ भावना के साथ विवरण सामने आना चाहिए। दोनों पक्षों को इसकी निंदा करनी चाहिए।

नोट मेरे नहीं, राज्यसभा में 3 मिनट रूका : सिंघवी

दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस सांसद और अधिवक्ता अभिषेक मनु सिंघवी ने इस मुद्दे पर कहा कि मैं इस बारे में सुनकर ही हैरान हूं। मैंने इसके बारे में कभी नहीं सुना। मैं कल दोपहर 12.57 बजे सदन के अंदर पहुंचा। सदन दोपहर 1 बजे उठा। दोपहर 1 से 1:30 बजे तक मैं अयोध्या प्रसाद के साथ कैंटीन में बैठा और लंच किया। दोपहर 1:30 बजे मैं संसद से चला गया। इसलिए कल मैं सदन में कुल 3 मिनट और कैंटीन में 30 मिनट रहा। मुझे यह अजीब लगता है कि ऐसे मुद्दों पर भी राजनीति की जाती है। बेशक इस बात की जांच होनी चाहिए कि लोग कैसे कहीं भी किसी भी सीट पर कुछ भी रख सकते हैं। इसका मतलब है कि हममें से हर किसी के पास एक सीट होनी चाहिए, जहां सीट को लॉक किया जा सके और चाबी सांसद अपने साथ ले जा सकें, क्योंकि फिर हर कोई सीट पर बैठकर कुछ भी कर सकता है और (शेष पृष्ठ-3 पर)

सांविधान की कॉपी लेकर प्रदर्शन

नई दिल्ली (एजेंसी)। संसद में नेता विपक्ष राहुल गांधी और प्रियंका गांधी वाड्रा के नेतृत्व में कांग्रेस नेताओं ने संसद के बाहर सड़कों पर मार्च निकाला। विपक्षी नेता हाथों में संविधान की कॉपी लहरा रहे हैं और मुंह पर काला मास्क लगा रखा है। मॉस्क पर लिखा था 'मोदी अडाणी एक हैं'। कांग्रेस संसद में लगातार अडानी मसले पर मोदी सरकार को घेराबंदी करने की कोशिश कर रही है। शुक्रवार को कांग्रेस ने एक बार फिर अडानी मसले (शेष पृष्ठ-3 पर)

किसानों का 'जेल भरो' अभियान शुरू, परी चौक पर दी गिरफ्तारी

नोएडा पुलिस चौकस, जगह-जगह चैकिंग

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। गौतमबुद्धनगर में भूमि अधिग्रहण समेत कई मुद्दों को लेकर प्रदर्शन कर रहे किसानों ने अब 'जेल भरो आंदोलन' शुरू कर दिया है। किसान 10 प्रतिशत आबादी भूखंड, बढ़ा हुआ 64.7 प्रतिशत मुआवजे और नए भूमि अधिग्रहण कानून को लागू करने की मांग कर रहे हैं। आज सैकड़ों की संख्या में किसानों ने ग्रेटर नोएडा में अपनी गिरफ्तारी दी।

संयुक्त किसान मोर्चा के नेताओं को जेल भेजने के विरोध में किसानों ने आज महा पंचायत बुलाई है। इसी के तहत किसान परी चौक पर इकट्ठा हो रहे थे। यहां से किसान जीरो प्वाइंट की ओर कूच करने वाले थे। किसानों का कहना है कि वह गिरफ्तारी देने के लिए यहां पहुंचे हैं।किसानों के परिचौक पर पहुंचने के बाद पुलिस ने उन्हें हिरासत में ले लिया और बसों में भर कर ले गए। किसानों ने हिरासत के दौरान वीडियो जारी किया और आह्वान किया कि आज हमने गिरफ्तारी दे दी है। कल शनिवार को भी बड़ी संख्या में किसान परी चौक पहुंचकर अपनी गिरफ्तारी दें।

दनकौर सहित अन्य देहात इलाकों में ग्रेटर नोएडा के जीरो प्वाइंट पहुंचने का आह्वान किया। इस दौरान पहले से अलर्ट पुलिस ने महिला सिपाहियों की मदद से महिला समेत 100 से अधिक किसानों को हिरासत में लेकर जेल पहुंचाया। हालांकि जेल पहुंचने के बाद पुलिस ने महिला किसानों को छोड़ दिया, लेकिन उनके साथ आए पुरुष किसानों को जेल में दाखिल किया गया है। जहां सभी किसानों को सामान्य बैरक में रखा गया है। वहीं पुलिस अधिकारियों का कहना रहा कि बिना अनुमति के धरना करने के लिए जीरो पाइंट से दलित प्रेरणा स्थल नोएडा की ओर निकले किसानों को गिरफ्तार किया गया है।

संयुक्त किसान मोर्चा ने ऐलान किया है कि आज फिर से सैंकड़ों की संख्या में किसान दिल्ली कूच करने के इरादे से जीरो पाइंट पर पहुंचेंगे। किसानों ने कहा कि प्रशासन और सरकार उनकी आवाज को दबाने का काम कर रही है। जेल से छूटने के बाद आंदोलन तेज होगा।

किसानों की गिरफ्तारी के विरोध में डीएम से मिले

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। करप्शन फ्री इंडिया संगठन के कार्यकर्ताओं ने शांतिपूर्वक आंदोलनरत किसानों की तुरंत रिहाई व 64 प्रतिशत अतिरिक्त मुआवजा व 10 प्रतिशत भूखंड के संबंध में जिलाधिकारी मनीष वर्मा से वार्ता कर मुख्यमंत्री के नाम संबोधित ज्ञापन उप जिलाधिकारी विवेकानंद मिश्रा को सौंपा।

करप्शन फ्री इंडिया संगठन के संस्थापक चौधरी प्रवीण भारतीय व आलोक नागर ने बताया कि गौतम बुध नगर के किसान पिछले लंबे समय से 64 प्रतिशत अतिरिक्त मुआवजा एवं 10 प्रतिशत भूखंड आवंटन की मांग को लेकर ग्रेटर नोएडा,नोएडा एवं यमुना प्राधिकरण पर शांतिपूर्वक आंदोलन कर मांग कर रहे हैं लेकिन अधिकारियों की घोर लापरवाही के कारण अभी तक किसानों को अतिरिक्त मुआवजा एवं 10 प्रतिशत प्लॉट नहीं मिले हैं। किसान अपनी मांगों को लेकर शांतिपूर्वक अपने आंदोलन के माध्यम से प्रदेश की सरकार का ध्यान अपनी तरफ आकर्षित करने के लिए जीरो पॉइंट पर धरना दे रहे थे लेकिन गौतमबुद्धनगर पुलिस ने रात्रि में लगभग 42 किसानों को फिर जेल भेज दिया। प्रवीण भारतीय ने बताया कि शुक्रवार को करप्शन फ्री इंडिया संगठन का प्रतिनिधि मंडल जिला अधिकारी मनीष वर्मा से मिला व जल्द से जल्द किसानों की रिहाई सहित सभी समस्याओं के हल की बात कही जिस पर जिलाधिकारी ने जल्द किसानों की रिहाई की बात कही। (शेष पृष्ठ-3 पर)

शंभू बॉर्डर से किसानों का दिल्ली मार्च

नई दिल्ली (एजेंसी)। पंजाब के किसान अपनी मांगों के लिए फरवरी से शंभू बॉर्डर पर मोर्चा लगाकर बैठे हैं। अब किसानों ने पैदल दिल्ली जाने का एलान किया है। शुक्रवार दोपहर करीब एक बजे संगठन से जुड़े 100 सदस्य शंभू बॉर्डर से आगे बढ़े। एक किसान बैरिकेडिंग पर बने शेड पर चढ़ गया है। पुलिस ने उसे चेतावनी देकर नीचे उतारा गया। इससे पहले कुछ किसान लोहे के जंगले पर चढ़े तो उन पर स्प्रे किया गया जिससे आंखों में जलन हो रही है। किसानों के अनुसार, स्प्रे मिर्ची वाला था। हरियाणा की तरफ से किसानों को कहा गया कि (शेष पृष्ठ-3 पर)

महापरिनिर्वाण दिवस पर बसपा का शक्ति प्रदर्शन

नोएडा (चेतना मंच)। महापरिनिर्वाण दिवस पर बाबा साहेब डा. भीमराव अंबेडकर को श्रद्धांजलि के साथ बसपा ने नोएडा में एक विशाल शक्ति प्रदर्शन किया। श्रद्धांजलि सभा में बड़ी संख्या में बसपा समर्थक जुटे।

संविधान निर्माता बाबा साहेब भीम राव अंबेडकर की आज 69वीं पुण्यतिथि है। महापरिनिर्वाण दिवस के मौके पर उन्हें श्रद्धांजलि देने के लिए बसपा नोएडा में एक विशाल शक्ति प्रदर्शन किया। इस कार्यक्रम में पार्टी के नेशनल कोर्डिनेटर और मायावती के उत्तराधिकारी आकाश आनंद मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हो रहे है। दिल्ली और मेरठ मंडल के (शेष पृष्ठ-3 पर)

रेसलर दिव्या काकरान के पति को लूटने वाले बदमाश मुठभेड में घायल

नोएडा (चेतना मंच)। नोएडा के सेक्टर-27 स्थित बाजार में अर्जुन अवॉर्ड से सम्मानित और इंटरनैशनल महिला रेसलर दिव्या काकरान के पति के गले से चेन छीनकर फरार हुए दो बदमाशों को पुलिस ने मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार कर लिया है।

कोतवाली सेक्टर-113 पुलिस ने एफएनजी रोड पर चेकिंग के दौरान बदमाशों के साथ मुठभेड़ हुई। मुठभेड़ के बाद दोनों को घायल अवस्था में गिरफ्तार किया गया है। जबकि फरार इनके तीसरे साथी कि तलाश है। पुलिस ने घायल बदमाशों को इलाज के लिए अस्पताल भर्ती कराया है, इनके कब्जे से अवैध शस्त्र व लूटा हुआ सामान एवं लूट के सामान को बेच कर प्राप्त 35200 रूपये नकद बरामद किये गये है। (शेष पृष्ठ-3 पर)

डॉ. अम्बेडकर के पदचिन्हों पर चलने का सपाइयों ने लिया संकल्प

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। भारत रत्न डॉ. भीमराव अंबेडकर के परिनिर्वाण दिवस के अवसर पर समाजवादी पार्टी गौतमबुद्धनगर इकाई द्वारा सूरजपुर स्थित पार्टी कार्यालय पर श्रद्धांजलि अर्पित की गई और उनके जीवन दर्शन पर विचार गोष्ठी का आयोजन कर उनके दिखाए रास्ते पर चलने का संकल्प लिया गया।

इस मौके पर उनके जीवन पर प्रकाश डालते हुए समाजवादी अधिवक्ता सभा के राष्ट्रीय सचिव रामसरन नागर एडवोकेट ने कहा कि बाबा साहेब डॉक्टर भीमराव अंबेडकर आधुनिक भारत के निर्माता थे। वह गरीब, पिछड़े, दलितों के सच्चे मसीहा थे। उन्होंने सामाजिक भेदभाव के विरुद्ध लंबी लड़ाई लड़ी। उन्होंने हमेशा समानता और समता के लिए कार्य किया और दबे कुचले लोगों को उनका हक दिलाने के लिए संघर्ष किया। उन्होंने हमेशा शिक्षा पर जोर दिया उनका कहना था किसी भी समाज देश का विकास शिक्षा से ही संभव है। भारत में विश्व की सबसे मजबूत लोकतांत्रिक व्यवस्था लागू करने का श्रेय बाबा साहब को ही जाता है। इस अवसर पर पार्टी के जिला महासचिव सुधीर तोमर ने कहा कि बाबा साहब भीमराव अंबेडकर ने सामाजिक, आर्थिक, राजनैतिक, शैक्षिक, धार्मिक, संवैधानिक आदि क्षेत्रों में अनगिनत कार्य करके राष्ट्र निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान दिया। आज देश के मौजूदा हालात में डॉ. भीमराव अंबेडकर की विचारों की आवश्यकता है।

इस मौके पर समाजवादी बाबा साहेब वाहिनी के जिलाध्यक्ष हुकुम सिंह भारती ने कहा कि बाबा साहेब भीमराव अम्बेडकर ने भारत के संविधान में गरीब, वंचित, शोषित, दलितों और पिछड़ों को मुख्य धारा में जोड़ने की व्यवस्था की। हम सभी को उनके द्वारा बताए गए रास्ते पर चलते हुए राष्ट्र को मजबूत करने का संकल्प लेना चाहिए। (शेष पृष्ठ-3 पर)

परंपरागत चिकित्सा

परंतत्रता, वक्त के थपेड़ों व कालांतर बाजार के गहरे दखल से भले ही भारत का प्राचीन सेहत का ज्ञान सदियों से हाशिये पर रहा है, लेकिन पिछले एक दशक के राजाश्रय में इसकी देश-विदेश में प्रतिष्ठा स्थापित हुई। भारत में अथाह गरीबी के चलते प्रकृति के सान्निध्य में सेहत के गुर को महसूस करते हुए महात्मा गांधी ने प्राकृतिक व परंपरागत चिकित्सा पद्धतियों को देश में प्रतिष्ठा दी थी। आज भी उनके अनुयायी पूरे देश में इस मुहिम में जुड़े हुए हैं। यह सुखद ही है कि एक दशक पूर्व राजग सरकार ने जिस आयुष मंत्रालय की स्थापना करके इस दिशा में जो रचनात्मक पहल की थी, उसके उत्साहजनक परिणाम सामने आ रहे हैं। उसके चलते भारत ही नहीं, विदेशों में भी हमारी पारंपरिक चिकित्सा पद्धतियों की स्वीकार्यता बढ़ी है। इस अभियान के एक दशक पूरे होने पर आयुष मंत्रालय द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार 2014 में जो आयुष बाजार 2.8 अरब डॉलर था, उसका आकार बीते साल तक 43.4 अरब डॉलर हो गया है। ये एक बहुत उत्साहजनक आंकड़ा है। इतना ही नहीं आयुष बाजार का निर्यात भी दुगना हुआ है। जिससे इस पद्धति की अंतर्राष्ट्रीय स्वीकार्यता का पता चलता है। यानी इन्हें एक पूरक चिकित्सा के रूप में मान्यता मिल रही है। निस्संदेह, आधुनिक चिकित्सा पद्धति ने शोध-अनुसंधान व बड़े पूंजी निवेश के चलते अप्रत्याशित उन्नति की है। ऐसे में यदि विज्ञान व परंपरागत चिकित्सा पद्धति में समन्वय बने तो मानवता का कल्याण ही होगा। यह तथ्य किसी से छिपा नहीं है कि तीव्र विकास की छाया में गरीबी का भी विस्तार हुआ है। महंगी होती चिकित्सा पद्धति गरीब की पहुंच से दूर होती जा रही है। सरकारी चिकित्सा तंत्र मरीजों के भारी बोझ से चरमरा रहा है। ऐसे में यदि जीवन शैली में सुधार, सजगता व शारीरिक सक्रियता से लोगों को स्वास्थ्य लाभ मिले तो किसी को परेशानी नहीं होनी चाहिए। इसे पूरक चिकित्सा पद्धति के रूप में स्वीकार किया ही जाना चाहिए। यह भी एक हकीकत है कि आयुष बाजार के विस्तार से जहां सेहत के प्रति जागरूकता बढ़ाने और उपचार में मदद मिली है, वहीं इससे रोजगार व उद्यमिता को भी संबल मिला है। एक ओर जहां आयुर्वेदिक दवाओं के उत्पादन से रोजगार बढ़े हैं, वहीं इसमें प्रयोग की जाने वाली जड़ी-बूटियों, फल और इससे जुड़े जैविक उत्पादों से ग्रामीण अर्थव्यवस्था को भी संबल मिला है। कमोबेश इसी तरह योग से जुड़ी सामग्री का निर्यात भी तेजी से बढ़ा है। प्रधानमंत्री के प्रयासों से योग को वैश्विक मान्यता मिली है। हालांकि, अमेरिका,यूरोप व आस्ट्रेलिया आदि में योग के सामान से जुड़ा कारोबार ज्यादा ऊंचाइयां छू रहा है। यह सुखद है कि हम देर से ही सही, इस दिशा में आगे बढ़े हैं। हमारे आयुर्वेद के उत्पादों को विश्व स्वास्थ्य संगठन की मान्यता मिलना भी एक बड़ी उपलब्धि है। इस दिशा में आधुनिक चिकित्सा के साथ समन्वय स्थापित कर आगे बढ़ने के लिये साझे प्रयास जरूरी हैं। ऐसे में बहुत जरूरी हो जाता है कि हम आयुष उत्पादों की गुणवत्ता बनाये रखने पर विशेष ध्यान दें। उनका आधार वैज्ञानिक प्रमाण हों। इससे भारत पारंपरिक चिकित्सा पद्धति के जरिये वैश्विक नेतृत्व करने में सक्षम हो सकेगा। दरअसल, भारतीय परंपरागत चिकित्सा पद्धतियों मसलन आयुर्वेद, प्राकृतिक चिकित्सा,योग, सिद्ध आदि पद्धतियों की धारणा रही है कि किसी रोग को दबाने के बजाय उसके कारकों का उपचार किया जाए। साथ ही यह भी कि हमारे विचार, खानपान और प्रकृति का सान्निध्य जीवन को स्वस्थ बनाने में मददगार होता है। जिसका मूल आधार हमारी रोग प्रतिरोधक क्षमता को मजबूत करना होता है। लेकिन इसके मायने आधुनिक चिकित्सा पद्धति की अनदेखी नहीं है, बल्कि समन्वय ही है। निश्चित रूप से यदि विज्ञान व परंपरा के समन्वय का मणिकांचन संयोग होगा तो सेहत के लक्ष्य हासिल करना ज्यादा आसान होगा। भारतीय जीवनशैली, खानपान, परिवेश व ऋतुचक्र के अनुरूप यदि उपचार होगा तो उसका सकारात्मक प्रतिसाद भी मिलेगा। ऐसे में हमारी सस्ती परंपरागत चिकित्सा पद्धतियां गरीब, विकासशील व ग्लोबल साउथ के देशों को आरोग्य की राह दिखा सकती हैं। जरूरी है कि सदियों के अनुभव से हासिल गुणवत्ता व प्रमाणिकता के परंपरागत ज्ञान और आधुनिक चिकित्सा पद्धति के मध्य तालमेल की कोशिश की जाए।

रामचरित मानस

कल के अंक में आपने पढ़ा था कि कामदेव ने तीक्ष्ण पाँच बाण छोड़े, जो शिवजी के हृदय में लगे। तब उनकी समाधि टूट गई और वे जाग गए। ईश्वर (शिवजी) के मन में बहुत क्षोभ हुआ। उन्होंने आँखें खोलकर सब ओर देखा॥ उससे आगे का वर्णन क्रमानुसार प्रस्तुत है।

सौरभ पल्लव मदनु बिलोका। भयउ कोपु कंपेउ त्रैलोका॥
तब सिवँ तीसर नयन उघारा। चितवन कामु भयउ जरि छारा॥

जब आम के पत्तों में (छिपे हुए) कामदेव को देखा तो उन्हें बड़ा क्रोध हुआ, जिससे तीनों लोक काँप उठे। तब शिवजी ने तीसरा नेत्र खोला, उनको देखते ही कामदेव जलकर भस्म हो गया॥

हाहाकार भयउ जग भारी। डरपे सुर भए असुर सुखारी॥
समुझि कामसुख सोचहिं भोगी। भए अकंटक साधक जोगी॥

जगत में बड़ा हाहाकर मच गया। देवता डर गए, दैत्य सुखी हुए। भोगी लोग कामसुख को याद करके चिन्ता करने लगे और साधक योगी निष्कंटक हो गए॥

जोगी अकंटक भए पति गति सुनत रति मुरुछित भई।
रोदति बदति बहु भाँति करुना करति संकर पहिं गई॥
अति प्रेम करि बिनती बिबिध बिधि जोरि कर सन्मुख रही।
प्रभु आसुतोष कृपाल सिव अबला निरखि बोले सही॥

योगी निष्कंटक हो गए, कामदेव की स्त्री रति अपने पति की यह दशा सुनते ही मूर्च्छित हो गई। रोती-चिल्लाती और भाँति-भाँति से करुणा करती हुई वह शिवजी के पास गई। अत्यन्त प्रेम के साथ अनेकों प्रकार से विनती करके हाथ जोड़कर सामने खड़ी हो गई। शीघ्र प्रसन्न होने वाले कृपालु शिवजी अबला (असहाय स्त्री) को देखकर सुंदर (उसको सान्त्वना देने वाले) वचन बोले।

(क्रमशः..)

ईमानदार कोशिश हो बांग्लादेश संकट समाधान की

अगरतला स्थित बांग्लादेश वाणिज्य दूतावास पर तोड़फोड़ की घटना ने तूल पकड़ लिया है। दूतावास परिसर में प्रदर्शन, गेट तोड़ने, और झंडे का अपमान कोई भी सभ्य समाज नहीं सराहेगा। पीटीआई के अनुसार, '2 दिसंबर को अगरतला में बांग्लादेश मिशन के परिसर में कथित तौर पर 50 से अधिक प्रदर्शनकारियों ने प्रवेश किया, जिससे परिसर में मौजूद लोगों में चिंता पैदा हो गई। यह रैली विश्व हिंदू परिषद से संबद्ध हिंदू संघर्ष समिति के बैनर तले निकाली गई। चिन्मय कृष्ण ब्रह्मचारी की रिहाई, और हिन्दुओं की सुरक्षा जैसी मांगों को लेकर अगरतला में बांग्लादेश के सहायक उच्चायुक्त आरिफ मोहम्मद को एक ज्ञापन सौंपा गया।' पीटीआई की रिपोर्ट से लगा नहीं, कि तोड़फोड़ की कोई घटना हुई।

जब ऐसा कुछ हुआ नहीं, तो 13 लोगों की गिरफ्तारी, असिस्टेंट कमांडेंट और तीन सब इंस्पेक्टर सस्पेंड क्यों हुए, और इसके प्रकारांतर भारतीय विदेश मंत्रालय को खेद क्यों प्रकट करना पड़ा? विदेश मंत्रालय के बयान में कहा गया, 'अगरतला में बांग्लादेश के सहायक उच्चायोग में परिसर में घुसपैठ की घटना बेहद खेदजनक है। भारत सरकार नई दिल्ली में बांग्लादेश उच्चायोग और देश के अन्य मिशनों की सुरक्षा बढ़ाने के लिए कार्रवाई कर रही है।'

बांग्लादेश इस खेद प्रकाश से शांत नहीं हुआ है। ढाका में भारतीय उच्चायुक्त को बुलाकर विरोध जताना और अगरतला स्थित बांग्लादेश मिशन को बंद कर, इस चिंगारी को भड़काने की कवायद शुरू हो गई है। बीएनपी के वरिष्ठ संयुक्त महासचिव रूहुल कबीर रिजवी ने अंतरिम सरकार से आग्रह किया कि वह अगरतला स्थित बांग्लादेश मिशन की सुरक्षा के लिए संयुक्त राष्ट्र शांति सेना से सहायता मांगे। ऐसा लगता है, मानो उन्हें हमारी ओर से एक ग़लती होने का इंतज़ार था। लेकिन कोलकाता में जो कुछ हो रहा है, उससे दोनों मुल्कों में डैमेज कंट्रोल की बात बेमानी हो गई। क्या बांग्लादेशी मरीज़ों का इलाज रोकना मानवाधिकार हनन की श्रेणी में नहीं आता है?

बांग्लादेश में सूचना-प्रसारण प्रभार एक ऐसे छात्र नेता के हाथों में है, जो शेख हसीना को देश से भगाने की श्लाघा को पचा नहीं पा रहा है। नाहिद इस्लाम लगातार भारत पर निशाना साधते रहे हैं, कि वह 'विभाजनकारी राजनीति और बांग्लादेश विरोधी बयानबाजी में लगा हुआ है। भारत का सत्तारूढ़ वर्ग अल्पसंख्यक विरोधी है।' नाहिद में नकारात्मकता इतनी ज्यादा है, कि ऐसे शख्स से डैमेज कंट्रोल की आशा नहीं की जा सकती।

लेकिन, क्या बांग्लादेश का मीडिया

सहनशील, और संयमित है? क्या फ़र्जी ख़बरें वहां प्लांट नहीं की जा रहीं? पत्रकार यदि बहुसंख्यक की तानाशाही के विरुद्ध रिपोर्ट लिखें, देखिये उनका क्या हाल होता है। गुलाम रब्बानी नदीम इस साल बांग्लादेश में मारे जाने वाले दूसरे पत्रकार हैं। बांग्लादेश में ब्लॉगर्स की हत्या तो अनगिनत है। पत्रकारों को चुप कराने के लिए 'डिजिटल सुरक्षा कानून-2018' है, जिसके तहत 14 साल तक की जेल हो सकती है। इसलिए, संपादक कारावास या अपने मीडिया आउटलेट के बंद होने का जोखिम उठाने से हिचकते हैं। बांग्लादेश में सिस्टम के खिलाफ कितनी रिपोर्टें छपती हैं? आप डेली स्टार, और दूसरे अख़बारों की रिपोर्टिंग का आकलन कर लीजिये। यही अखबार भारतीय मीडिया पर सवाल उठाकर अपना 'नंबर' बना रहे हैं।

बांग्लादेश में प्रेस की आज़ादी, 'रिपोर्ट्स विदाउट बॉर्डर' की हालिया रिपोर्ट में देख सकते हैं। 2024 के सूचकांक में 165वें पोज़िशन पर है बांग्लादेश। भारत उससे छह क़दम पीछे, 159वें पायदान पर है। श्रीलंका 150वें, दक्षिण एशिया में सबसे बदतर अफ़ग़ानिस्तान 178वें स्थान पर, नेपाल सबसे बेहतर 74वें स्थान पर दिखता है। 'द डेली स्टार' लगातार भारतीय मीडिया पर सवाल उठा रहा है। सही है, उठाना भी चाहिए। लेकिन, खुद के बहत्तर छेद भी पहले बांग्लादेशी मीडिया को देख लेना चाहिए। इससे हो यही रहा है, कि दोनों देश एक अघोषित मीडिया वॉर में फंस चुके हैं। आगे यह कितना विकृत रूप लेगा, कहना कठिन है।

अगस्त, 2020 में अमेरिका के मेरीलैंड यूनिवर्सिटी ने बांग्लादेश में फ़र्जी सूचना देने वाले मीडिया पर एक शोध कराया। शोध पत्र दिलचस्प है। लिखा है, 'सरकार के खिलाफ इन्वेस्टिगेशन करने की हिम्मत पत्रकार नहीं करते। नेता गलत सूचना और नफरत भरे भाषणों को फैलाकर सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म का दुरुपयोग कर रहे हैं। भारत और म्यांमार, बांग्लादेश के बीच एक सामान्य आयाम, धर्म है। बांग्लादेश = इस्लाम 90 फीसद, भारत = हिंदू धर्म 80 प्रतिशत, म्यांमार = बौद्ध धर्म 88 प्रतिशत। इन सभी देशों में, धार्मिक अल्पसंख्यक अक्सर गलत सूचनाओं की वजह से टारगेट किये जाते हैं।' चार साल में वो स्थिति बदली नहीं है। बल्कि, और बदतर हुई है।

2017 में 'फैक्ट वॉच' की शुरुआत बांग्लादेश के लिबरल आर्ट्स विश्वविद्यालय के मीडिया अध्ययन और पत्रकारिता विभाग की पहल के रूप में हुई, जिसे ढाका स्थित अमेरिकन सेंटर से अनुदान मिला। बांग्लादेश का मीडिया कहां ठहरता है, केवल फैक्ट वाच द्वारा दी जानकारी को ही देख लें। इस संस्था ने पाया कि बांग्लादेश में पुरानी सामग्री (फोटो/वीडियो/टेक्स्ट) का दुरुपयोग होता है। झूठे और भ्रामक दावे, चरित्र हनन, एंटीवैक्सीन अभियान, स्रोतों की पुष्टि किए बिना कॉपी-पेस्ट पत्रकारिता, सांप्रदायिक विद्वेष फैलाने वाले काम सबसे अधिक किए जाते हैं।

देश को संभाले हुए मोहम्मद यूनुस के 120 दिन पूरे हो रहे हैं। अर्थव्यवस्था जर्जर हो चुकी है। ये लोग जून, 2025 तक विश्व बैंक, आईएमएफ, ओपेक फंड से कुल 6 अरब डॉलर पाने की उम्मीद लगाए बैठे हैं। अंतरिम सरकार ने कहा है कि विदेशी मुद्रा भंडार पर मौजूदा दबाव को कम करने के लिए आईएमएफ से अतिरिक्त 3 बिलियन डॉलर का ऋण भी हमें चाहिए। बांग्लादेश से एफडीआई वाले हाथ खींच रहे हैं। 'कबीरा खड़ा बाज़ार में, लिये कटोरा हाथ' वाली स्थिति जारी रही, तो बांग्लादेश एक 'फेल्ड स्टेट' घोषित हो जायेगा। इसलिए, पब्लिक का ध्यान बंटाने के वास्ते भारत से झगड़ते रहना उनके लिए ज़रूरी हो चुका है। लेकिन, हम ऐसा मौक़ा दें क्यों?

शेख हसीना जब तक भारत में निर्वासित हैं, मोहम्मद यूनुस एंड कंपनी से सुलह होना संभव नहीं है। एक शांतिपूर्ण रास्ता यही है, कि शेख हसीना किसी थर्ड कंट्री में शरण ले। भारत, हठयोग त्याग कर इस वास्ते कूटनीतिक प्रयास करे, तो बेहतर होगा। ब्रिटेन के अलावा शेख हसीना ने सऊदी अरब और यूएई में भी निर्वासन चाहा था। यह कोशिश दोबारा से शुरू होनी चाहिए। बांग्लादेश में संयुक्त राष्ट्र शांति सेना बुलाने का आह्वान आग में घी डालने जैसा ही है। सूडान ताज़ा उदाहरण है, जहां पीस कीपिंग फ़ोर्स नरसंहार और विस्थापन रोकने में विफल रही है। लगता है, तृणमूल कांग्रेस के नेता रवांडा, डीआर कांगो, कम्बोडिया, बोस्निया-हर्जेगोविना, यमन, गाज़ा, सोमालिया, इराक, सीरियन सिविल वार, और रोहिंग्या समस्या से नावाकिफ हैं, जहां शांति सेना विफल हो गई।

पुष्परंजन
लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं।

बुद्धिजीविता बनाम व्यक्ति निर्माण: संघ की दूरगामी दृष्टि

हाल ही में आजतक के साहित्यिक मंच पर पत्रकार राहुल देव और कवि नरेश सक्सेना ने एक गंभीर सवाल उठाया। उन्होंने कहा, आरएसएस सौ साल से बौद्धिक कर रहा है, किंतु आज तक ऐसा कोई बुद्धिजीवी नहीं पैदा कर पाया, जिसका नाम संघ के बाहर कोई जानता हो। यह सवाल जितना महत्वपूर्ण है, उतना ही विचारणीय भी। ऐसा कह इस कवि-पत्रकार द्वय ने अपने वैचारिक दिवालियेपन से समाज का परिचय कराया और यह बताया की ये बेचारे संघ की रीति और नीति से कितने अनभिज्ञ हैं। इन्हें यह समझना चाहिए की वामपंथ की तरह राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) ख़ालिस बुद्धिजीवी पैदा करने की फैक्ट्री नहीं है। संघ का उद्देश्य वास्तविक चरित्र-व्यक्ति निर्माण है, न कि बुद्धिजीविता से कुण्ठित भीड़ का सृजन।

संघ न तो व्यक्ति को केवल बुद्धि आधारित जीवन जीने की शिक्षा देता है और न ही ऐसी किसी प्रवृत्ति को बढ़ावा देता है। अपनी प्रार्थना में संघ का स्वयंसेवक सुशीलं जगद्येन नम्रं भवेत कहकर ऐसा शुद्ध शील-चारित्र्य मांगता है जिसके समक्ष सम्पूर्ण विश्व नतमस्तक हो जाये। संघ का उद्देश्य बुद्धि को बढ़ावा देना नहीं है, संघ विचार को बढ़ावा देता है। विजेत्री च न: संहता कार्यशक्ति कहकर हम विजयशालिनी संघठित कार्यशक्ति के द्वारा परं वैभवं नेतुमेतत् स्वराष्ट्र यानि राष्ट्र के वैभव को उच्चतम शिखर पर पहुँचाने का सामर्थ्य मांगते हैं। संघ का हर कार्य आत्मभाव, समर्पण और त्याग पर आधारित है। संघ व्यक्ति निर्माण और चरित्र निर्माण का मंच है। इसका लक्ष्य हर स्वयंसेवक को भारत माता की सेवा के लिए तैयार करना है। संघ के लिए बुद्धिजीविता साध्य नहीं है, बल्कि यह समाज और राष्ट्रहित में कार्य करने वाले व्यक्तियों को तैयार करने का माध्यम है।

इसे भी पढ़ें- सामाजिक समरसता के लिए लगातार सक्रिय संघ

आज के समाज में बुद्धिजीविता को एक शक्ति के रूप में प्रस्तुत किया जाता है, लेकिन यह समझना आवश्यक है कि बुद्धिजीविता केवल क्षणिक परिवर्तन ला सकती है। इसके विपरीत, व्यक्ति निर्माण का प्रभाव दीर्घकालिक और समाज के हर क्षेत्र में सकारात्मक होता है। संघ बुद्धिजीविता की अल्पकालिक चमक के बजाय व्यक्ति निर्माण के दीर्घकालिक प्रभाव में विश्वास रखता है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) इसी व्यक्ति निर्माण की दिशा में पिछले सौ वर्षों से कार्य कर रहा है।

पूर्व राज्यपाल आचार्य विष्णुकान्त शास्त्री जी कहा करते थे की बुद्धिजीवी का अर्थ है ऐसा व्यक्ति जो अपनी बुद्धि के आधार पर जीविका चलाता हो। जब बुद्धि के आधार पर जीविका चलाने को

संघ न तो व्यक्ति को केवल बुद्धि आधारित जीवन जीने की शिक्षा देता है और न ही ऐसी किसी प्रवृत्ति को बढ़ावा देता है। अपनी प्रार्थना में संघ का स्वयंसेवक सुशीलं जगद्येन नम्रं भवेत कहकर ऐसा शुद्ध शील-चारित्र्य मांगता है जिसके समक्ष सम्पूर्ण विश्व नतमस्तक हो जाये।

महिमामंडित किया गया, तब समाज में कई गंभीर समस्याएं उत्पन्न हुईं। बीते दशकों में यह सत्य भी होता दिखाई दिया है, डॉक्टरों ने मरीजों को केवल पैसा कमाने का साधन मान लिया, शिक्षकों ने कक्षाओं से गायब होकर अर्बन नक्सल बनने का रास्ता चुना और छात्रों ने टुकड़े-टुकड़े गैंग बनाकर समाज में विघटनकारी गतिविधियों को बढ़ावा दिया। वामपंथी बुद्धिजीविता ने समाज को हिंसा, विभाजन और अशांति के अलावा कुछ नहीं दिया। यह बुद्धिजीविता पूंजीवादी नेक्सस का हिस्सा बनकर समाज को खोखला करती है। वामपंथ ने श्रमिकों को बुद्धिजीवी बनने का सपना दिखाया, लेकिन इसके परिणामस्वरूप कलकत्ता से कानपुर तक औद्योगिक संयंत्र बंद हो गए। श्रमजीवी लोगों को दाने-दाने का मोहताज कर दिया। इस विचारधारा ने परिवार और सामाजिक मूल्यों को कमजोर किया और देशभक्ति व सांस्कृतिक चेतना पर भी आघात किया।

राहुल देव और नरेश सक्सेना को याद दिलाना चाहता हूं कि आज वह जिस बुद्धिजीविता का महिमा मंडन कर रहे हैं इस वामपंथी बुद्धिजीविता के राजनैतिक गढ़ त्रिपुरा को कुछ वर्ष पहले संघ के चार समर्पित स्वयंसेवकों श्री श्यामलकांति सेनगुप्ता, श्री दीनेंद्र डे, श्री सुधामय दत्त तथा श्री शुभंकर चक्रवर्ती ने अपने प्राणोत्सर्ग से उखाड़ फेंका। इन चारों को अपहरण 6 अगस्त 1999 को त्रिपुरा के कंचनपुर के वनवासी कल्याण आश्रम के छात्रावास से हुआ था और बाद में उनकी हत्या कर दी गई थी। आपकी सोने की बनी बुद्धिजीवी लंका को व्यक्तिनिर्माण की पूंछ ही जलाकर भस्म करती है। त्रिपुरा ने व्यक्ति निर्माण से आपकी बुद्धिजीविता को उत्तर दिया, आगे और भी नाम जुड़ेंगे।

वामपंथी और पूंजीवादी नेक्सस आज इतना मजबूत हो चुका है कि पूरी दुनिया इसके प्रभाव में है। राष्ट्र की संकल्पना में बुरु तरह विफल वामपंथी बुद्धिजीविता ने अब अपना रूप बदल समाज में भ्रम फैलाकर परिजीवी के रूप में पूंजीवाद को प्रश्रय दे रहा है। अमेरिका से भारत तक बुद्धिजीविता ने पूंजीवाद की दासी बनकर राजनीति और समाज में अपनी जगह बनाई। भारत से लेकर अमेरिका तक राष्ट्रभाव का उत्थान इन परिजीवियों के लिए संकट के रूप में खड़ा हुआ है इसलिए ये इतने बेचैन हैं।

राहुल देव और नरेश सक्सेना का यह सवाल कि संघ ने कोई बुद्धिजीवी क्यों नहीं पैदा किया? उचित है और इस तरह से वामपंथी गिरोह के हरावल दस्ते के दो बेरोजगार सेनापति आज जब अपने पुराने बुद्धिजीवी अखाड़े में संघ को ललकार रहे हैं तो यह नास्टैल्जिया उनकी बेचारगी को प्रगट कर रहा है। राहुल देव और नरेश सक्सेना जी काश आप इस विषय पर भी विचार करते की जिस देश को तोड़ने के लिए आने वैचारिक पूर्वज लगे रहे और पाकिस्तान बनवाया तो उस पाकिस्तान में आपका बुद्धिजीवी अवशेष क्यों नहीं मिलता?

पुन: एक बार कहना चाहूँगा संघ बुद्धिजीवी पैदा करने का मंच नहीं है। यह एक सामाजिक और सांस्कृतिक यज्ञ है जिसमें सौ वर्षों से अनगिनत प्रचारकों, स्वयंसेवकों नें मैं नहीं, तू ही कह-कह कर स्व जीवन की आहुति दे दिया है। संघ का उद्देश्य व्यक्ति को राष्ट्रहित में कार्य करने के लिए तैयार करना है। संघ के चरित्रबल और कार्यों ने यह सिद्ध किया है कि समाज का उत्थान बुद्धिजीविता से नहीं, बल्कि नैतिकता और त्याग से होता है। वामपंथी बुद्धिजीविता जहां समाज में विभाजन और अशांति का कारण बनी है, वहीं संघ ने अपने सौ वर्षों के साधना से शांति, समरसता और राष्ट्रभक्ति का दीप जलाया है।

- शिवेश प्रताप

राशिफल

मार्गशीर्ष शुक्ल पक्ष : पंचमी | **(विक्रम संवत् 2081)**

मेष- (चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ)
व्यावसायिक सफलता मिलेगी। राजनीतिक लाभ होगा। कोर्ट कचहरी में विजय मिलेगा। प्रेम-संतान में ध्यान दें।

वृष- (ई, उ, ए, ओ, वा, वी, वू, वे , वो)
यात्रा का योग बनेगा। धर्म-कर्म में हिस्सा लेंगे। भाग्य साथ देगा। स्वास्थ्य अच्छा है। प्रेम, संतान मध्यम है।

मिथुन- (का, की, कु, घ, ङ , छ, के, हो, हा)
चोट चपेट लग सकती है। किसी परेशानी में पड़ सकते हैं। थोड़ा बचकर पार करिए। रिस्क न लें। स्वास्थ्य पर ध्यान दें।

कर्क- (ही, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डा)
जीवनसाथी का भरपूर सहयोग मिलेगा। नौकरी चाकरी की स्थिति बहुत अच्छी होगी। प्रेमी प्रेमिका की मुलाकात संभव है।

सिंह- (मा, मी, मु, मे, मो, टा, टी, टु, टे)
शत्रु भी मित्रवत व्यवहार करेंगे। स्वास्थ्य नरम गरम रहेगा। प्रेम-संतान की स्थिति मध्यम है, व्यापार बहुत अच्छा है।

कन्या- (टो, पा, पी, पू, ष, ण, ठ, पे, पो)
लिखने-पढ़ने में समय व्यतीत करें। ये आपके लिए बहुत अच्छा रहेगा। प्रेम-संतान भी अच्छा है। व्यापार भी अच्छा है।

तुला- (रा, री, रु, रे, रो, ता, ती, तू, त)
भूमि, भवन, वाहन की खरीदारी का अद्भुत योग बन रहा है। स्वास्थ्य आपका थोड़ा मध्यम है।

वृश्चिक- (तो, ना, नी, नु, ने, नो, या, यी, यू)
व्यावसायिक सफलता मिलेगी। अपनों का साथ होगा। स्वास्थ्य थोड़ा मध्यम, प्रेम, संतान मध्यम, व्यापार बहुत अच्छा।

धनु- (ये, यो, भा, भी, भू, धा, फा, ढा, भे)
शब्द-साधक की तरह व्यवहार करेंगे। धन में बढ़ोतरी होगी। कुटुंबों में बढ़ोतरी होगी।

मकर- (भो,जा,जी,जू,जे,जो,खा,खी,खू,खे,गा,गी)
सितारों की तरह चमकेंगे। आकर्षण के केंद्र बने रहेंगे। स्वास्थ्य, प्रेम, व्यापार बहुत अच्छा है।

कुम्भ- (गू, गे, गो, सा, सी, सु, से, सो, द)
खर्च की अधिकता मन को परेशान करेगी। हालांकि शुभ कार्यों में खर्च हो रहा है, फिर भी मन परेशान रहेगा।

मीन- (दी, दु, झ, ध, दे, दो, च, चा, चि)
रुका हुआ धन वापस मिलेगा। आय के नवीन स्रोत बनेंगे। पुरानी स्रोत से भी पैसे आएंगे। यात्रा का योग बनेगा।

सरकार की चूलें हिला देंगे किसान : भाटी

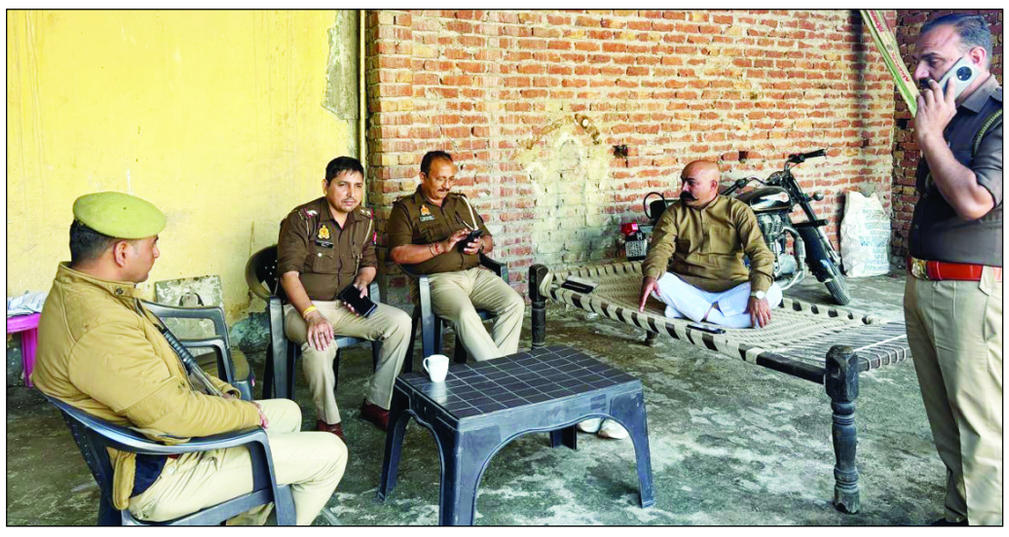

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। भारतीय किसान यूनियन (बलराज) के रष्ट्रीय अध्यक्ष बलराज भाटी ने कहा कि ग्रेटर नोएडा विकास विकास प्राधिकरण नोएडा विकास प्राधिकरण, यमुना विकास प्राधिकरण, यूपीसीडा ने किसानों से लिखित करार के तहत भूमि अधिग्रहण की धी अब प्राधिकरण करारनामा से मुकर रही है जिसके चलते किसान अपने हक और अधिकार के लिए धरना-प्रदर्शन करने को बाध्य है।

सरकार पुलिस बल का प्रयोग करा कर किसानों की आवाज को दबाने कुचलने का काम कर रही है। दलित प्रेरणा स्थल पर शान्तिपूर्ण विरोध प्रदर्शन कर रहे किसानों के साथ सरकार के आदेश पर पुलिस प्रशासन ने किसानों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था। बृहस्पतिवार को राष्ट्रीय अध्यक्ष बलराज भाटी ने कार्यकर्ताओ को निर्देशित किया कि किसानों के आन्दोलन को मजबूत करने के लिए दलित प्रेरणा स्थल पर कूच कर आन्दोलन को मजबूती दें भारतीय किसान यूनियन (बलराज) के कार्यकर्ता अपने अपने क्षेत्र से रवाना हुए तो जगह जगह कार्यकर्ताओ को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया।

राष्ट्रीय अध्यक्ष बलराज भाटी को सुबह उनके आवास पर ही नजर बन्द कर दिया। महिला विंग की राष्ट्रीय अध्यक्ष रेखा सिवाल को पुलिस ने गिरफ्तार करने का प्रयास किया। लेकिन वह पुलिस को चकमा देकर किसी दूसरे स्थान पर निकल गयी और प्रदेश अध्यक्ष हातम सिंह भाटी, प्रदेश अध्यक्ष युवा विपिन खारी, जिलाध्यक्ष योगेश वैष्णव, तहसील अध्यक्ष सोविदंर भाटी आदि कार्यकर्ताओ को पुलिस ने गिरफ्तार कर अलग-अलग थानों में बिठाये रखा। राष्ट्रीय अध्यक्ष बलराज भाटी का कहना है कि किसानों को गिरफ्तार कर उनकी आवाज को दबाना लोकतंत्र की हत्या है यह समाधान नही सरकार किसानों के प्रति अपना रवैए को बदले और प्राधिकरण से किसानों की समस्याओ का हल निकालें अन्यथा अब देश भर का अन्नदाता एक जुट है सरकारों की चूलें हिलाने में देर नही लगेगी।

उम्मीद संस्था का हुआ विस्तार

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। उम्मीद संस्था संगठन का विस्तार करते हुए मास्टर बालचंद नागर को राष्ट्रीय प्रवक्ता तथा प्रेम सिंह, देशराज प्रधान, महाराज सिंह, और पवन कुमार को संस्था का संरक्षक नियुक्त किया। सभी को नियुक्ति पत्र प्रदान किए गए।

उम्मीद संस्था के संस्थापक डॉ. देवेंद्र कुमार नागर एवं बीके अंबावता के दादरी तहसील अध्यक्ष राजकुमार ने बताया कि नियुक्तियों से संस्था जरूरतमंद बच्चों की शिक्षा, स्वास्थ्य, जल संरक्षण, प्रदूषण, पौधारोपण, महिला सशक्तिकरण, कैंसर जागरूकता, सिंगल यूज प्लास्टिक के उन्मूलन, और सड़क सुरक्षा जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों पर अधिक प्रभावी और सक्रियता से कार्य करने में सक्षम होगी।

इस मौके पर मुख्य रूप से जयपाल सिंह, प्रदीप मुकदम, नारायण सिंह, राधे सिंह, राजकुमार रूपवास, रामपाल सिंह, हुकम सिंह आर्य, मास्टर ब्रह्म सिंह उपस्थित रहे।

सीटू ने किया विरोध प्रदर्शन

नई दिल्ली। गौतमबुध नगर के किसानों पर किए जा रहे दमन, शोषण, उत्पीड़न एवं गिरफ्तारी के विरोध में आज सीटू दिल्ली एनसीआर राज्य कमेटी की पहल पर जनवादी महिला समिति, एस. एफ. आई., डी. वाई. एफ. आई., किसान सभा व सीटू के कार्यकर्ताओं ने योगी सरकार किसान दमन करना बंद करो, किसानों को विकसित 10ल प्लॉट देना होगा, नए भूमि अधिकरण कानून का लाभ किसानों को देना पड़ेगा, गिरफ्तार किए गए किसानों को तुरंत रिहा करो आदि नारों के साथ जंतर मंतर नई दिल्ली पर धरना- प्रदर्शन कर प्रधानमंत्री को संबोधित ज्ञापन दिया। जिसमें मांग की गई कि गिरफ्तार किए गए और जेल भेजेंगे सभी लोगों को फौरन बिना किसी शर्त रिहा किया जाए और नेताओं से बातचीत करके समस्याओं का समाधान किया जाए, वादा किए गए 10प्रतिशत विकसित भूखंड की वापसी की जाए, विस्थापित किसानों को सर्किल रेट का चार गुना के बराबर मुआवजा दिया जाए और प्रभावित क्षेत्र के भूमिहीन लोगों को मुआवजा/आवासीय प्लॉट दिया जाए आदि मांगे की गई है।

प्रदर्शन को संबोधित करते हुए किसान सभा के राष्ट्रीय वित्त सचिव कृष्णा प्रसाद, जनवादी महिला समिति के नेता मैमूना मौला, आशा शर्मा, चंदा बेगम, जनवादी नौजवान सभा के नेता अमन, स्टूडेंट फेडरेशन ऑफ इंडिया के नेता अंकित, सीटू नेता अनुराग सक्सेना, वीरेंद्र गोड, गंगेश्वर दत्त शर्मा, रामसागर, राम स्वारथ, पी वी अनियन, सुनंद, ईश्वर त्यागी, हरपाल त्यागी, जेपी शुक्ला आदि ने संबोधित करते हुए उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा जबरन अधिग्रहण से पीड़ित प्रदर्शनकारी किसानों को गिरफ्तार करने के लिए यूपी पुलिस की कड़ी निंदा किया और उत्तर प्रदेश सरकार से डराने धमकाने की कार्रवाई बंद कर किसानों की मांगों/ समस्याओं का उचित समाधान करने का अनुरोध किया। साथ ही चेतावनी देते हुए कहा कि गौतम बुद्ध नगर का किसान अकेला नहीं है। मजदूर, छात्र, महिलाएं, युवा, किसानों की हक अधिकार की लड़ाई में उनके साथ है और हम जंतर मंतर पर प्रदर्शन के माध्यम से केंद्र व प्रदेश सरकार को आगाह करना चाहते हैं कि यदि दमन बंद नहीं किया गया तो पूरे देश में इस मुद्दे पर विरोध कार्रवाई तेज की जाएगी। धरना प्रदर्शन की अध्यक्षता सीटू दिल्ली एनसीआर राज्य अध्यक्ष कामरेड वीरेंद्र गौड़ ने किया।

किसानों को पुलिस ने किया गिरफ्तार

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। किसान नेताओं पर नाजायज दबाव बनाने के लिए उनके परिवार जनों को थाने में बिठाया जा रहा है। जीरो पॉइंट पर किसानों ने सैकड़ो की संख्या में दिल्ली कूच करते हुए 120 से अधिक की संख्या में गिरफ्तारी दी। किसानों ने किसान सभा के संयोजक वीर सिंह नेता के नेतृत्व में गिरफ्तारी दी। किसानों ने योगी-मोदी मुर्दाबाद, प्राधिकरण मुर्दाबाद, पुलिस प्रशासन मुर्दाबाद के नारे लगाते हुए गिरफ्तारी दी। पुलिस प्रशासन ने 3 दिसंबर को दलित प्रेरणाय स्थल पर शांतिपूर्ण धरना प्रदर्शन कर रहे किसानों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था। 4 दिसंबर को हजारों की संख्या में संयुक्त किसान मोर्चा के नेतृत्व में किसानों की जीरो पॉइंट पर हुई पंचायत के दबाव में जेल में बंद किसानों को सरकार को रिहा करना पड़ा।

संयुक्त किसान मोर्चा की स्टीयरिंग कमेटी ने अधिकारियों से बातचीत कर सहमति बनाई थी की 5 दिसंबर सुबह वार्ता कर आंदोलन के आगे की कार्रवाई एवं वार्ता तय की जाएगी।

परंतु पुलिस प्रशासन ने पुन: वादा खिलाफी करते हुए रात में ही सुखबीर खलीफा और सोरन प्रधान के नेतृत्व में मौजूद 22 किसानों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था। जिससे पूरे जिले में आक्रोश फैल गया और आज सैकड़ो की संख्या में किसान दिल्ली कूच करने के इरादे से जीरो पॉइंट पर पहुंच गए जहां पर मौजूद पुलिस ने दिल्ली मार्च कर रहे किसानों के साथ बदतमीजी की महिलाओं के साथ धक्का मुक्की की। किसान सभा के जिला अध्यक्ष डॉ रुपेश वर्मा ने कहा कि पुलिस का दमन उत्पीड़न किसानों में और आक्रोश भर रहा है पुलिस द्वारा किसान नेताओं के परिजनों को परेशान करने से आंदोलन खत्म होने वाला नहीं है गांव-गांव में किसानों ने हजारों की संख्या में गिरफ्तारी देने को तैयार हैं।

पृष्ठ एक के शेष....

सांविधान की कॉपी...

पर सरकार को घेरने की कोशिश की। जब कांग्रेसी नेता संसद परिसर में मार्च कर रहे थे।

कांग्रेस ने एक्स पर लिखा, INDIA गठबंधन की पार्टियां अडानी महाघोटाले पर चर्चा चाहती हैं, लेकिन मोदी सरकार लगातार इससे भाग रही है। आज संसद परिसर में INDIA के नेताओं ने हाथ में संविधान लेकर मोदी सरकार की तानाशाही के खिलाफ प्रदर्शन किया।

किसानों की गिरफ्तारी...

प्रवीण भारतीय ने बताया कि जिलाधिकारी से वार्ता कर मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन उप जिलाधिकारी विवेकानंद मिश्रा को सौंपकर तत्काल सभी किसानों की रिहाई एवं गौतम बुद्ध नगर में पिछले कई वर्षों से किसानों की चली आ रही मांग 64 प्रतिशत मुआवजा एवं 10 प्रतिशत भूखंड की तत्काल आवंटित करने की मांग की।

इस दौरान मास्टर दिनेश नागर, बलराज हूंन, प्रेम प्रधान, कुलबीर भाटी, पिंटू मास्टर, एडवोकेट कपिल कसाना, प्रतीक नागर आदि लोग मौजूद रहे।

शंभू बॉर्डर से किसानों...

एक प्रतिनिधिमंडल भेजा जाए, हम बात करेंगे तब तक किसानों को आगे बढ़ने नहीं दिया जाएगा।

किसान दिल्ली कूच को लेकर अड़ गए हैं। उधर हरियाणा पुलिस कह रही है कि किसान पहले दिल्ली पुलिस की अनुमति लेकर आएं। किसान आगे नहीं बढ़ पा रहे हैं। हरियाणा ने सीमेंट वाली बैरिकेडिंग पर लोहे की जाली लगा दी है।

नोट मेरे नहीं, राज्यसभा...

इस बारे में आरोप लगा सकता है। अगर यह दुखद और गंभीर नहीं होता तो यह हास्यास्पद होता। मुझे लगता है कि सभी को इस मामले की तह तक पहुंचने में सहयोग करना चाहिए और अगर सुरक्षा एजेंसियों में कोई कमी है तो उसे भी पूरी तरह से उजागर किया जाना चाहिए।

रेसलर दिव्या काकरान...

एडिशनल डीसीपी मनीष मिश्रा ने बताया कि मुठभेड़ के बाद पकड़े गए बदमाशों के नाम नरेश उर्फ देवा उर्फ जाट और ऋषभ है जिन्हें पुलिस ने वाहन चेकिंग के दौरान एफएनजी रोड पर हुए मुठभेड़ में गोली लगने बाद गिरफ्तार किया है। इनके तीसरे साथी की तलाश कर रही है। एडिशनल डीसीपी मनीष मिश्रा ने बताया कि पूछताछ के दौरान बदमाशों ने नोएडा के सेक्टर-27 क्षेत्र चेन स्नैच की कई घटना को अंजाम देने की बात स्वीकार किया है।

एडिशनल डीसीपी बताया कि सेक्टर-113 की पुलिस एफ़एनजी रोड पर चेकिंग कर रही थी जहाँ एक मोटरसाइकिल पर दो लड़के आते हुए दिखाई दिए थे। संदिग्ध थे उनको रोकने का प्रयास किया गया। उनके द्वारा पुलिस पार्टी पर फायरिंग की गई। पुलिस पार्टी के द्वारा फायरिंग की गई जिसमें दोनों बदमाश घायल हो गए। नरेश एक शातिर अपराधी है। इसके विरुद्ध एक दर्जन से अधिक मामले पंजीकृत है। ऋषभ एक शातिर अपराधी है। इसके विरुद्ध करीब दो दर्जन मुकदमे पंजीकृत हैं। इनके पास से सात मोबाइल बरामद हुए हैं, जिसमें से एक मोबाइल इनके द्वारा थाना सेक्टर 113 से आई फ़ोन छीना गया था। इस आरोपियो ने सेक्टर 27 में 26 नवंबर को चेन छीनने की वारदात को अंजाम दिया। इनके तीसरे साथी आकाश की पुलिस तलाश कर रही है।

महापरिनिर्वाण दिवस पर...

छह जिलों के कार्यकर्ताओं की भीड़ यहां जुटी। किसानों के धरना प्रदर्शन का स्थल बने नोएडा के सेक्टर-95 स्थित दलित प्रेरणा स्थल को पुलिस और प्रशासन ने खाली कराकर उसे धो कर साफ करने के साथ चमका दिया है। बडे-बडे पोस्टर लगाये गये जिसमे बाबा साहेब भीम राव अंबेडकर की तस्वीर के साथ मायवती और आकाश आनंद की भी तस्वीर है। बसपा के जिलाध्यक्ष नरेश गौतम ने जानकारी देते हुए बताया कि पार्टी ने इस कार्यक्रम के आयोजन के लिए प्रशासन से सभी आवश्यक अनुमति प्राप्त कर ली है।

उन्होंने बसपा की ओर ने इस कार्यक्रम में पांच हजार से अधिक कार्यकर्ताओं के जुटने का दावा किया है। कार्यक्रम में पार्टी के सभी प्रमुख पदाधिकारी और कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

डॉ. अम्बेडकर के पदचिन्हों...

इस मौके पर मुख्य रूप समाजवादी मजदूर सभा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष यूनुस प्रधान, जुगती सिंह, कपिल ननका, विनोद लोहिया, अनूप तिवारी, राहुल आर्यन, गजेन्द्र यादव, हरवीर प्रधान, मुरारी लाल, महेश जाटव, पवन जोगी, अनीस अहमद, प्रवीण भाटी, असगर सैफी, राशिद सिद्दकी, मुरारी लाल गौतम, मांगेराम, राजेश गौंड, सलीम खान आदि मौजूद रहे।

दैनिक चेतना मंच
भगवान हनुमान बजरंग बली के अवतार श्री बालाजी (मेंहदीपुर) के संरक्षण में संचालित किया जाता है। समाचार-पत्र का यह अंक भी उन्हीं के चरणों में समर्पित है।
डाक पंजी. सं. L-10/GBD-574/99
RNI No. 69950/98
स्वामी मुद्रक प्रकाशक रामपाल सिंह रघुवंशी ने बीएफएल इन्फोटेक लि. सी-9, सेक्टर-3, नोएडा, गौतमबुद्धनगर (यू पी.) से छपवाकर, ए-131 सेक्टर-83, नोएडा से प्रकाशित किया।
संपादक-रामपाल सिंह रघुवंशी
Contact:
0120-2518100, 4576372, 2518200
Mo.: 9811735566, 8750322340
E-mail:
chetnamanch.pr@gmail.com
raghuvanshirampal365@gmail.com
raghuvanshi_rampal@yahoo.co.in
www.chetnamanch.com

ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण की बिल्डरों को दो टूक

31 दिसंबर तक कराएं रजिस्ट्री, नहीं तो राहत पैकेज होगा वापस

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के एसीईओ सौम्य श्रीवास्तव ने बिल्डरों को दो टूक कहा है कि पेंडिंग फ्लैटों की रजिस्ट्री 31 दिसंबर तक संपन्न कराएं, अन्यथा अमिताभ कांत समिति की सिफारिशों से बिल्डरों को दी गई राहत को प्राधिकरण वापस ले लेगा। एसीईओ ने एनओसी के नाम पर फ्लैट खरीदारों से मोटी रकम ऐंठने वाले बिल्डरों के खिलाफ भी सख्त कार्रवाई की चेतावनी दी है। एसीईओ ने साफ कहा है कि लीज डीड पर विलंब शुल्क से राहत सिर्फ 21 जनवरी 2025 तक ही है। इसके बाद और समय नहीं दिया जाएगा।

एसीईओ सौम्य श्रीवास्तव ने बिल्डरों के साथ बृहस्पतिवार को प्राधिकरण के बोर्ड रूम में बैठक की, जिसमें बिल्डर विभाग की तरफ से प्रोजेक्टवार स्टेटस रिपोर्ट प्रस्तुत की गई। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के सीईओ एनजी रवि कुमार ने भी फ्लैटों की रजिस्ट्री लटकाने वाले बिल्डरों पर कड़ी कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। एसीईओ ने कहा कि यह आखिरी मौका है। 31 दिसंबर तक फ्लैटों की रजिस्ट्री न कराने वाले बिल्डरों को अब और समय नहीं दिया जाएगा। ऐसे बिल्डरों से अमिताभ कांत समिति की सिफारिशों के आधार पर मिली रिलीफ को वापस लेने की कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने प्राधिकरण के बिल्डर विभाग को भी फ्लैट खरीदारों के नाम रजिस्ट्री पर अधिक जोर देने और लापरवाही करने वाले बिल्डरों के आवंटन रद्द करने के निर्देश दिए।

बता दें, कि ग्रेटर नोएडा के कुल 98 प्रोजेक्ट्स में से अमिताभ कांत समिति की सिफारिशों पर तैयार पॉलिसी के दायरे में आने वाले 76 प्रोजेक्ट हैं। इन परियोजनाओं के लिए बिल्डरों की तरफ से 25 फीसदी धनराशि (पूर्ण व आंशिक मिलाकर) जमा कराई जा गई है। इन परियोजनाओं में 62912 फ्लैट हैं, जिनमें से 38661 के लिए कार्यपूर्ति प्रमाणपत्र जारी किया गया। अब तक लगभग 31600 फ्लैटों की रजिस्ट्री हो चुकी है। अभी भी 34 बिल्डर परियोजनाओं में लगभग 7000 फ्लैटों की रजिस्ट्री बाकी है। प्राधिकरण की मंशा है कि 21 जनवरी 2025 को विलंब शुल्क से छूट खत्म होने से पहले बायर्स के नाम इन फ्लैटों की रजिस्ट्री संपन्न हो जाए, ताकि बायर्स पर विलंब शुल्क का बोझ न पड़े। वहीं, एसीईओ सौम्य श्रीवास्तव ने एनओसी के नाम पर खरीदारों से अधिक शुल्क वसूल रहे बिल्डरों को भी फटकार लगाई। उन्होंने एनओसी के लिए खरीदारों से निर्धारित शुल्क से अधिक लेने पर कार्रवाई की चेतावनी दी। इस बैठक में बिल्डर विभाग की मैनेजर स्नेहलता व 30 से अधिक बिल्डर प्रतिनिधि मौजूद रहे।

फ्लैटों की रजिस्ट्री न कराने वाले पांच बड़े प्रोजेक्ट

1. यमुना बिल्डटेक (मिग्सन विलासा)	ईटा टू	763
2. देविका गोल्डहोम	सेक्टर-1	714
3. एसडीएस इंफ्राटेक	ओमेगा टू	396
4. अजय इंटरप्राइज	सेक्टर-2	240
5. महालक्ष्मी बिल्डटेक (मिग्सन अल्टिमो)	ओमीक्रॉन-3	145

सचिन पायलट से मिले नोएडा के कांग्रेसी

नई दिल्ली (एजेंसी)। कॉंग्रेस के नेताओं ने राजस्थान के पूर्व उपमुख्यमंत्री व राष्ट्रीय महासचिव तथा छतीसगढ़ के प्रभारी सचिन पायलट के दिल्ली आवास पर शिष्टाचार भेंट कर विभिन्न मुद्दों पर विस्तृत चर्चा की।

मुलाकात करने वालों में अल्पसंख्यक कॉंग्रेस के राष्ट्रीय सचिव लियाकत चौधरी, पूर्व प्रदेश सदस्य सतेन्द्र शर्मा, महासचिव विक्रम चौधरी रहे।

खास खबर

सोने-चांदी की कीमतों में गिरावट

नई दिल्ली। सोने-चांदी के वायदा भाव में गुरुवार को कमजोरी के साथ कारोबार देखा जा रहा है। गुरुवार को दोनों के वायदा भाव ने गिरावट के साथ खुले। सोने के वायदा भाव 76,950 रुपये के करीब, जबकि चांदी के वायदा भाव 92,900 रुपये के करीब कारोबार कर रहे थे। वै?श्विक बाजार में सोने-चांदी की वायदा कीमतों में भी सुस्ती देखने को मिल रही है। सोने के वायदा भाव की शुरूआत गिरावट के साथ हुई। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का बेंचमार्क फरबरी कॉन्ट्रेक्ट 114 रुपये की गिरावट के साथ 76,978 रुपये के भाव पर खुला।

रुपया चार पैसे बढ़कर 84.71 प्रति डॉलर पर

मुंबई। रुपया गुरुवार को शुरूआती कारोबार में चार पैसे मजबूत होकर 84.71 प्रति डॉलर पर देखा गया। बाजार के जानकारों ने कहा ?कि मजबूत डॉलर और कच्चे तेल की कीमतों में तेजी से निकट भविष्य में रुपये के दबाव में रहने की आशंका है। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 84.72 प्रति डॉलर पर खुला और सीमित दायरे में घूमते हुए 84.71 प्रति डॉलर पर पहुंच गया, जो पिछले बंद भाव के मुकाबले केवल चार पैसे की बढ़त दर्शाता है। रुपया बुधवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 84.75 पर बंद हुआ था।

हुंदै एक जनवरी से अपने वाहनों की कीमत 25,000 तक बढ़ाएगी

नई दिल्ली। हुंदै मोटर इंडिया लिमिटेड ने गुरुवार को घोषणा की कि वह अपने विभिन्न मॉडल वाहनों की कीमतों में एक जनवरी 2025 से 25,000 रुपये तक की वृद्धि करेगी। कंपनी ने बताया कि कच्चे माल की लागत में वृद्धि, प्रतिकूल विनिमय दर और लॉजिस्टिक्स लागत में वृद्धि के कारण मूल्य वृद्धि आवश्यक हो गई है। इस निर्णय के साथ कंपनी ने यह सुनिश्चित किया कि मूल्य वृद्धि सभी मॉडलों पर लागू होगी और इसकी सीमा 25000 रुपये तक होगी। कंपनी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह निर्णय कहा कि एक मूल्य समायोजन के जरिये वहन करना अनिवार्य हो गया है, क्योंकि कंपनी ने हमेशा ग्राहकों पर कम प्रभाव डालने का प्रयास किया है। वर्तमान में एचएमआईएल की विभिन्न वाहन श्रृंखला की कीमत 5.92 से 46.05 लाख रुपये के बीच है। उन्होंने बताया कि यह मूल्य वृद्धि 2025 के सभी मॉडलों पर प्रभावित होगी।

प्रिस्टीन वैल्यू लॉजिस्टिक्स ने अंतरिक्ष समूह के साथ किया समझौता

मुंबई। लॉजिस्टिक्स कंपनी प्रिस्टीन वैल्यू लॉजिस्टिक्स ने भिवंडी में अपने सुविधाओं को बढ़ाने के लिए एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है। कंपनी ने 165,000 वर्ग फुट के गोदाम क्षेत्र का अधिग्रहण किया है और दीर्घकालिक पट्टा समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। इस कदम से कंपनी अपनी गोदाम क्षमता को बढ़ाकर बेहतर लॉजिस्टिक्स सेवाएं प्रदान करने में सक्षम होगी। प्रिस्टीन लॉजिस्टिक्स के एक वरिष्ठ अधिकारी ने इस संदर्भ में बताया कि यह विस्तार की रणनीति समूह के समग्र दृष्टिकोण के साथ मेल खाती है।

देश के सबसे बड़े बैंक में निष्क्रिय खातों पर नजर

नई दिल्ली। देश के सबसे बड़े बैंक एसबीआई के चेयरमैन सीएस शेट्टी ने एक बड़ा बयान जारी किया है। उन्होंने कहा कि कई खाताधारक जिन्होंने सरकारी कार्यक्रमों के तहत वित्तीय मदद हासिल करने के लिए खाते खोले हैं, वे एक सीमित संख्या में लेनदेन ही करते हैं। इसके बाद उनके खाते निष्क्रिय हो जाते हैं। उन्होंने बताया कि ऐसे खातों के लिए बैंक नए नियमों के लागू होने की स्थिति में है। इसके अलावा एसबीआई ने सप्ताहांत में निष्क्रिय खातों के खिलाफ एक विशेष अभियान भी घोषित किया है। लेकिन निष्क्रिय खातों की सटीक संख्या के बारे में जानकारी नहीं है। चेयरमैन ने आरबीआई को इस मुद्दे पर कार्रवाई करने के लिए प्रेरित करने के लिए प्रस्तावित किए गए नियमों पर सहमति जताई है। इससे पहले एसबीआई ने भारतीय रिजर्व बैंक से गैर-वित्तीय लेनदेन को सक्रिय करने के लिए नियमों में बदलाव करने की मांग की थी।

भारत हजार लोगों पर एक स्टार्टअप का लक्ष्य रखे : गोयल

- हम एमएसएमई के लिए वैकल्पिक वित्तपोषण मॉडल पर विचार करने को तैयार
- छोटा देश होने के बावजूद इजरायल ने नवाचार को प्राथमिकता दी है
- 2047 तक भारत को एक विकसित राष्ट्र बनाने के लक्ष्य को हासिल करने में मदद मिलेगी
- नवाचार को बढ़ावा देने में इजरायल की सफलता से प्रेरणा लेता है

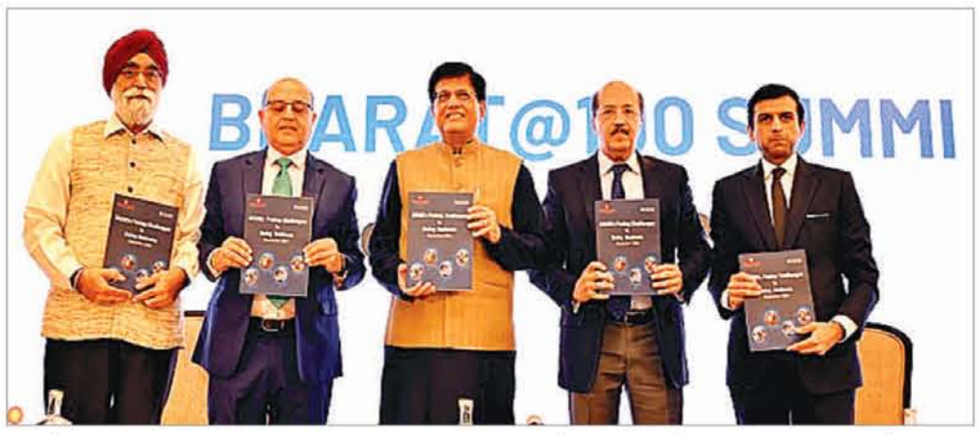

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने गुरुवार को कहा कि भारत को प्रति एक हजार लोगों पर एक स्टार्टअप का लक्ष्य रखना चाहिए, जो कि नवाचार को बढ़ावा देने में इजरायल की सफलता से प्रेरणा लेता है। वाणिज्य मंत्री ने उद्योग जगत से बैंक ऋण प्राप्त करने में आ रही समस्याओं के बारे में जानकारी साझा करने का भी आग्रह किया। केंद्रीय वाणिज्य मंत्री गोयल नई दिल्ली में भारतीय वाणिज्य एवं उद्योग मंडल (एसोचैम) द्वारा आयोजित भारत @100 शिखर सम्मेलन को संबोधित करते हुए यह बात कही। उन्होंने कहा कि छोटा देश होने के बावजूद इजरायल ने नवाचार को प्राथमिकता दी है, जिसके परिणामस्वरूप हर 1,000 लोगों पर एक स्टार्टअप है। उन्होंने इस महत्वाकांक्षी लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए युवाओं में उद्यमशीलता को प्रोत्साहित करने की आवश्यकता पर जोर दिया। केंद्रीय मंत्री ने सम्मेलन में इस बात पर जोर दिया कि किस तरह मोदी सरकार के व्यापार करने में आसानी और जीवन जीने में आसानी बढ़ाने, नवाचार तथा उद्यमिता को बढ़ावा देने के प्रयासों के साथ-साथ हमारे सांस्कृतिक लोकाचार को अपनाने और उसका लाभ उठाने की पहल से 2047 तक भारत को एक विकसित राष्ट्र बनाने के लक्ष्य को हासिल करने में मदद मिलेगी। उन्होंने एसोचैम से आग्रह किया कि वह हमारी युवा आबादी में उद्यमशीलता की भावना पैदा करने के लिए उद्यमशीलता को बढ़ावा देने पर ध्यान केंद्रित करे। साथ ही उनकी मानसिकता को नौकरी की तलाश से हटाकर नवाचार के माध्यम से चुनौतियों का समाधान करने की ओर मोड़ें। उन्होंने सुझाव दिया कि सरकार सूक्ष्म, लघु एवं मझोले उद्यमों (एमएसएमई) के लिए वैकल्पिक वित्तपोषण मॉडल तलाशने के लिए तैयार है।

नए निर्यात अवसर : ट्रंप की निर्यात नीति और भारत

नई दिल्ली। नीति आयोग के मुख्य कार्यपालक अधिकारी बीवीआर सुब्रमण्यम ने बताया कि अमेरिका के नए राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा चीन और अन्य व्यापारिक साझेदारों पर लगाए गए उच्च सीमा शुल्क की घोषणा भारत के लिए नए निर्यात अवसरों को खोल सकती है। उनका मानना है कि ये कदम भारत के लिए सकारात्मक संकेत हो सकते हैं और भारत को इस अवसर का लाभ उठाने के लिए खुद को तैयार करना चाहिए। ट्रंप ने हाल ही में मेक्सिको और कनाडा से आयात पर 25 प्रतिशत सीमा शुल्क और चीन से आयात पर 10 प्रतिशत अतिरिक्त शुल्क लगाने की घोषणा की थी। सुब्रमण्यम के अनुसार ये कदम भारत के व्यापार में महत्वपूर्ण परिवर्तन ला सकते हैं और भारत के लिए बहुत बड़े अवसरों का द्वार खोल सकते हैं। इस समय, भारत अमेरिका के सबसे बड़े व्यापारिक साझेदारों में से एक है और पिछले वर्ष भारत ने अमेरिका को 77.51 अरब डॉलर के मूल्य में माल भेजा था। इस संदर्भ में नीति आयोग के उपाध्यक्ष सुमन बेरी ने भी व्यापार घाटे के मुद्दे पर सकारात्मक दृष्टिकोण व्यक्त किया। उनका कहना है कि व्यापार केवल निर्यात के बारे में ही नहीं होता, बल्कि आयात भी उसी महत्वपूर्ण है। इस महत्वपूर्ण समय पर भारत को अपने व्यापार सम्बंधों में मजबूती बनाए रखने के लिए सक्रिय रूप से कदम उठाने की आवश्यकता है। व्यापारिक दृष्टि से भी, यह अवसर भारत के गतिशील और आत्मनिर्भर अर्थव्यवस्था के लिए एक सुनहरा अवसर हो सकता है।

2024-25 में 6.5-7 फीसदी की जीडीपी वृद्धि संभव : सीईए नागेश्वरन

- चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही के जीडीपी ग्रोथ में हो सकती है बढ़ोतरी

एजेंसी

नई दिल्ली। देश के मुख्य आर्थिक सलाहकार (सीईए) वी. अनंत नागेश्वरन ने गुरुवार को कहा कि अक्टूबर-नवंबर में कुछ क्षेत्रों में आर्थिक गतिविधियों में तेजी आने से चालू वित्त वर्ष 2024-25 में 6.5-7 फीसदी की सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) वृद्धि दर संभव है। उन्होंने कहा कि दूसरी तिमाही के 5.4 फीसदी जीडीपी ग्रोथ के अनुमान को आगे चलकर संशोधित भी किया जा सकता है, क्योंकि मौजूदा अनुमान मौसमी रूप से समायोजित नहीं हैं। मुख्य आर्थिक सलाहकार नागेश्वरन ने नई दिल्ली में भारतीय वाणिज्य एंव उद्योग मंडल (एसोचैम) के भारत @100 शिखर सम्मेलन को संबोधित करते हुए यह बात कही। भारत के आर्थिक परिवर्तन को सशक्त बनाना विषय पर आयोजित सत्र को संबोधित करते हुए उन्होंने आर्थिक परिवर्तन के महत्व को रेखांकित किया। डॉ. नागेश्वरन ने अपने संबोधन में आधुनिक राजमार्गों, नई ट्रेनों और तेज टोल प्रोसेसिंग के साथ आपूर्ति बुनियादी ढांचे में महत्वपूर्ण सुधार सहित सरकारी नीतियों के ठोस परिणामों पर भी जोर दिया। उल्लेखनीय है कि भारत की जीडीपी ग्रोथ जुलाई-सितंबर तिमाही में घटकर सात तिमाहियों के निम्नतम स्तर 5.4 फीसदी पर आ गई, जबकि अप्रैल-जून तिमाही में यह 6.7 फीसदी रही थी। इससे पिछले वित्त वर्ष 2023-24 में भारतीय अर्थव्यवस्था 8.2 फीसदी की दर से बढ़ी थी। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) ने चालू वित्त वर्ष 2024-25 में विकास दर 7.2 फीसदी रहने का अनुमान जताया है, जो कि वित्त मंत्रालय के आर्थिक सर्वेक्षण में लगाए गए 6.5-7 फीसदी के अनुमान से अधिक है।

बजाज फिनसर्व हेल्थकेयर फंड लांच

- यह एक ओपन-एंडेड इक्विटी योजना है, जो मुख्य रूप से फार्मास्युटिकल और हेल्थकेयर से जुड़ी कंपनियों में निवेश करने पर केंद्रित है

एजेंसी

मुंबई/पुणे। बजाज फिनसर्व एएमसी ने आज बजाज फिनसर्व हेल्थकेयर फंड को लॉन्च करने की घोषणा की है। यह एक ओपन-एंडेड इक्विटी स्कीम है, जो ग्रोथ के लिए स्वास्थ्य और सेहत से जुड़े क्षेत्रों में लंबी अवधि के लिए निवेश करती है। यह फंड सब्सक्रिप्शन के लिए 6 दिसंबर को खुलेगा और न्यू फंड ऑफर (एनएफओ) की अवधि 20 दिसंबर, 2024 को समाप्त होगी। बजाज फिनसर्व हेल्थकेयर फंड उन निवेशकों के लिए उपयुक्त है जो मुख्य रूप से फार्मास्यूटिकल्स, अस्पतालों, डायग्नोस्टिक्स और वेलनेस में लगी कंपनियों के इक्विटी और इक्विटी-संबंधित इंस्ट्रूमेंट में निवेश करके लंबी अवधि में पैसा कमाने की संभावना तलाश रहे हैं। यह पांच साल या उससे अधिक की निवेश सीमा के लिए उपयुक्त है। इस स्कीम का बेंचमार्क बी एस ई हेल्थकेयर टोटल रिटर्न इंडेक्स (टीआरआई) होगा। इस फंड का लक्ष्य भारतीय स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र की तेज वृद्धि का लाभ उठाना है। लोगों की बदलती जरूरतों, बढ़ते निजी स्वास्थ्य देखभाल खर्च, तकनीकी प्रगति और अन्य कारकों के कारण यह उद्योग एक महत्वपूर्ण परिवर्तन से गुजर रहा है। यह फंड निवेशकों को स्वास्थ्य और सेहत में उछाल से लाभ उठाने और इस क्षेत्र में उभरते मेगाट्रेंड का लाभ उठाने का अवसर देता है।

सैमसंग ने टीवीकी क्लाउड टेक्नोलॉजी को किया लांच

एजेंसी

रांची। इलेक्ट्रॉनिक्स ब्रांड सैमसंग ने सैमसंग टीवीकी क्लाउड टेक्नोलॉजी को लॉन्च किया है जो कि टीवी देखने के अनुभव में बड़ा बदलाव लेकर आएगी। यह उद्योग का पहला सॉल्यूशन है जो आपको सेट-टॉप बॉक्स के बिना लाइव टेलीविजन देखने की सुविधा देता है। नागराविजन के साथ मिलकर विकसित की गई यह नई टेक्नोलॉजी उपभोक्ताओं को पारंपरिक सेट-टॉप बॉक्स के बिना शानदार मनोरंजन का आनंद उठाने का मौका देती है। टीवी की क्लाउड के साथ लाइव टीवी के भविष्य को सरल बनाते हुए यूजर अब एक ही सैमसंग स्मार्ट टीवी रिमोट का उपयोग करके अपने सभी पसंदीदा लाइव और ऑन-डिमांड सामग्री को एक्सेस कर सकते हैं। यह अतिरिक्त केबल और हार्डवेयर को कम करने, स्वच्छ, आधुनिक और अत्यधिक सहज विजुअल अनुभव मुहैया कराने की दिशा में एक प्रमुख उपलब्धि है। यह टेक्नोलॉजी सैमसंग के 2023 और 2024 कनेक्टेड टीवी मॉडल के साथ कॉम्पैटिबल है, जिसमें अल्ट्रा एचडी, ओएलईडी, क्यूएलईडी और नियो क्यूएलईडी शामिल हैं। यह अत्याधुनिक टेक्नोलॉजी सेवा प्रदाता के ग्राहकों को टीवीकी की अनूठी ऑन-चिप सिक्योरिटी का उपयोग करके प्रीमियम सामग्री तक पहुंचने की अनुमति देती है, जिससे उच्च स्तर का कॉन्टेंट प्रोटेक्शन मिलता है। एसआरआई-बेंगलुरू के मैनेजिंग डायरेक्टर दीपेश शाह ने कहा कि डिजिटल इंडिया को सशक्त बनाने की दिशा में इनोवेशन की श्रृंखला में टीवीकी क्लाउड टेक्नोलॉजी सैमसंग की बिल्कुल नई टेक्नोलॉजी है।

नई थर्ड जेनरेशन होंडा अमेज का भारत में विश्व प्रीमियर

एजेंसी

रांची। होंडा कार्स इंडिया लिमिटेड (एचसीआईएल) ने आज भारत में बहुप्रतीक्षित नई थर्ड जनरेशन होंडा अमेज लॉन्च की। यह कार पहली बार दुनिया में कहीं भी लॉन्च होने से पहले भारत में पेश की गई है। कंपनी द्वारा भारत में वैश्विक प्रीमियर करने का निर्णय यह दिखाता है कि भारत होंडा के लिए कितना खास और महत्वपूर्ण मार्केट है। नई होंडा अमेज को खासतौर से स्टाइलिश, प्रीमियम और आरामदायक कॉम्पेक्ट सेडान के रूप में डिजाइन किया गया है। यह कार खासकर उन युवाओं और परिवारों के लिए बनाई गई है, जो हर मोड़ पर आराम, सफलता और प्रगति की उम्मीद रखते हैं। नई होंडा अमेज

को थाईलैंड स्थित होंडा आरएंडडी एशिया पैसिफिक टीम ने विकसित किया है और इसे एलीट बूस्टर सेडान की सोच के तहत तैयार किया गया है। यह कार न केवल बेहतरीन ड्राइविंग अनुभव देती है बल्कि आपके व्यक्तित्व, सफलता और सामाजिक दर्जे को भी बखूबी दर्शाती है। यह कार उन लोगों के लिए है, जो आत्मविश्वास के साथ अपनी उपलब्धियों पर गर्व करते हुए एक प्रीमियम अनुभव चाहते हैं। अमेज का सॉलिड 3- बॉक्स डिजाइन इसे एक असली सेडान का लुक देता है, जो इसके हाई-क्लास और आकर्षक स्टाइल को दर्शाता है। यह कार 4 मीटर से कम लंबाई में आती है, लेकिन इसका डिजाइन इसे एक शानदार और आधुनिक प्रीमियम अनुभव प्रदान करता है। इसके बाहरी हिस्से में स्पोर्टी और स्टाइलिश लुक है, जबकि अंदरूनी केबिन को बेहद सलीके और परिष्कृत तरीके से डिजाइन किया गया है। इसमें यात्रियों के लिए पर्याप्त जगह है।

भारतीय एडटेक सेक्टर में सुधार के संकेत

नई दिल्ली। वित्तीय वर्ष 23-24 में भारतीय एडटेक क्षेत्र में आंकड़ों में एक निरंतर सुधार का संकेत मिल रहा है। एक नई रिपोर्ट के अनुसार मार्केट इंटेलिजेंस प्लेटफॉर्म ट्रैक्सन ने पिछले वर्ष की तुलना में एडटेक सेक्टर में रकम जुटाने में 153 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की है। इस सुधार के परिणामस्वरूप साल 2024 में अभी तक 68 सौदों में 60.88 करोड़ डॉलर की रकम जुट चुकी है। इसके पूर्व वित्त वर्ष में 106 सौदों में सिर्फ 24.09 करोड़ डॉलर ही जुटाई गई थी। इस सुधार का मुख्य कारण है निवेशकों की रुचि जोर देने में। उन्हें वहां निवेश करने के लिए कंपनियों की खोज हो रही है जो अच्छे प्रदर्शन और दमदार संभावनाओं के साथ निकासी कर रही हैं।

एचडीएफसी लाइफ इंश्योरेंस के 1.6 करोड़ ग्राहकों का डेटा लीक

लीक हुए डेटा में सेंसिटिव ग्राहक जानकारी हैं, ग्राहक अलर्ट रहें

एजेंसी

नई दिल्ली। साइबर सिक्योरिटी ऑगेनाइजेशन साइबरपीस की रिसर्च विंग ने कहा कि एचडीएफसी लाइफ इंश्योरेंस के 1.6 करोड़ ग्राहकों का डेटा डार्क वेब फोरम पर 2,00,000 यूएसडीटी (टेथर क्रिप्टोकरेंसी) में बिक रहा है। साइबरपीस का कहना है कि लीक हुए डेटा में सेंसिटिव ग्राहक जानकारी हैं, जिसमें पॉलिसी नंबर, नाम, मोबाइल नंबर, डेट ऑफ बर्थ, ईमेल एड्रेस, एड्रेस, हेल्थ स्टेटस आदि शामिल हैं। पॉलिसी नंबर और पर्नल डिटेल्स लीक होने के कारण साइबरपीस ने लोगों से कहा है कि वे अलर्ट रहें। पिछले महीने के आखिर में एचडीएफसी लाइफ इंश्योरेंस ने कहा कि डेटा लीक के कुछ मामले सामने आए हैं और वे इस उल्लंघन के संभावित असर का आकलन कर रहे हैं। एचडीएफसी लाइफ ने एक रेगुलेटरी फाइलिंग में कहा कि हमें एक अज्ञात सोर्स से सूचना हासिल हुई है, जिसने हमारे ग्राहकों के कुछ डेटा फील्ड को हमारे साथ शेयर किया है। संभावित असर का आकलन करने के लिए इसकी आगे की जांच जारी है। साइबरपीस के मुताबिक 1.6 करोड़ ग्राहकों के डेटा को 100,000 रिकॉर्ड से शुरू करके छोटी मात्रा में बेचा जा रहा है। साइबर सिक्योरिटी ऑगेनाइजेशन ने कहा कि इस उल्लंघन के लिए जिम्मेदार साइबर क्रिमिनल की पहचान अज्ञात है।

वनप्लस अगले तीन साल में भारत में करेगी 6,000 करोड़ का निवेश

नई दिल्ली। वनप्लस चीन की एक प्रमुख स्मार्टफोन निर्माता कंपनी ने भारत में व्यापार में बड़ी निवेश योजना की घोषणा की है। कंपनी की इस योजना के अनुसार अगले तीन सालों में वनप्लस भारतीय बाजार में 6,000 करोड़ रुपये तक निवेश करेगी। वनप्लस ने प्रोजेक्ट स्टारलाईट की शुरूआत करने का निर्णय लिया है, जिसमें कंपनी भारत में उत्पाद नवाचार को बढ़ावा देने और सेवाओं में सुधार करने के लिए 2,000 करोड़ रुपये का निवेश करेगी। प्रोजेक्ट स्टारलाईट निवेश की मुख्य धाराओं में अधिक टिकाऊ उपकरण बनाने, ग्राहक सेवा में उत्कृष्टता बढ़ाने और भारत-विशिष्ट विशेषताओं को विकसित करने का उद्देश्य है।

अमेजन फैशन ने पेश किया विंटर स्टाइल एक्स्ट्रावैगन्जा

एजेंसी

नई दिल्ली। अमेजन फैशन ने अपने ग्राहकों को आकर्षित करने लिए वार्डरोब रिफ्रेश सेल के अपने 15वें एडिशन की घोषणा की है। यह सेल 6 दिसंबर से 11 दिसंबर, 2024 के बीच आयोजित की जाएगी। कंपनी की ओर से पेश इस विंटर फैशन एक्स्ट्रावेगेंजा में ग्राहकों को अपैरल, एक्सेसरीज, ब्यूटी एवं ज्वेलरी से लेकर गर्म कपड़ों, फेस्टिव वियर, ट्रैवल, पार्टी एवं शादी विवाह से जुड़े कपड़ों की विशाल रेंज में से शॉपिंग का मौका मिलेगा। यह सेल अमेजन फैशन के विशाल संग्रह के साथ खासतौर पर तैयार की गई है। इस सेल में 30 मिलियन से ज्यादा प्रोडक्ट को शामिल किया गया है, जिसमें अपैरल, ब्यूटी, फुटवियर, एक्सेसरीज, ट्रैवल लगेज आदि से जुड़े 1.2 लाख ब्रांड की 30 लाख से ज्यादा स्टाइल शामिल हैं। अपनी इस बेहतरीन पेशकश के साथ, वार्डरोब रिफ्रेश सेल उन ग्राहकों के लिए बेहद खास है जो लेटेस्ट ट्रेंड और क्लासिक्स कलेक्शन के साथ सर्दी के दौरान अपनी वार्डरोब को एक बार फिर नया रूप देना चाह रहे हैं। सिद्धार्थ भगत, डायरेक्टर, अमेजन फैशन एंड ब्यूटी इन ने कहा, अमेजन फैशन में, हम अपने ग्राहकों को ब्रांड, ट्रेंडिंग स्टाइल, नए लॉन्च, चुनिंदा प्रोडक्ट का विशाल संग्रह उपलब्ध कराते हुए लेटेस्ट फैशन ट्रेंड के साथ बने रहने में मदद करते हैं। ग्राहकों को ये सभी प्रोडक्ट शानदार कीमत और सुविधाजनक रूप से मिलते हैं। वार्डरोब रिफ्रेश सेल हमारे ग्राहकों की बदलती जरूरत को पूरा करने वाला हमारा स्ट्रैटेजिक ईवेंट है। इसका आयोजन हर साल में दो बार किया जाता है। इस सेल में टॉप ब्रांडों की ओर से 'वियर इट विथ' रिकमंडेशन जैसा फीचर मिलता है।

अभिनेत्री करिश्मा कपूर ने कल्याण ज्वैलर्स शोरूम का किया उद्घाटन

एजेंसी

गिरिडीह। भारत के सबसे भरोसेमंद और सबसे बड़े आभूषण ब्रांडों में से एक कल्याण ज्वैलर्स ने आज झारखंड के गिरिडीह में अपने नए शोरूम के शुभारंभ की घोषणा की। एक भव्य समारोह में शहर में कल्याण ज्वैलर्स के पहला स्टोर और इसके लाइफस्टाइल ज्वैलरी ब्रांड - कैंडेरे के ब्रांड न्यू शोरूम को लॉन्च किया गया।अभिनेत्री करिश्मा कपूर ने कल्याण ज्वैलर्स और इसके लाइफस्टाइल ज्वैलरी ब्रांड - कैंडेरे के ब्रांड न्यू शोरूम का उद्घाटन किया। इस अवसर पर करिश्मा कपूर ने कहा, 'कल्याण ज्वैलर्स के नए शोरूम के उद्घाटन के लिए आज यहां उपस्थित होकर मुझे खुशी हो रही है। मुझे विश्वास है कि ग्राहक कल्याण ज्वेलर्स का गर्मजोशी से स्वागत करेंगे, साथ ही वे इन नए शोरूम पर खरीदारी का शानदार अनुभव लेंगे और कंपनी द्वारा पेश किए गए आभूषण संग्रह की विविध रेंज का आनंद उठाएंगे।कल्याण ज्वेलर्स और कैंडेरे द्वारा पेश किए गए विभिन्न सिग्नेचर ज्वैलरी लाइनों के डिजाइनों के एक शानदार माहौल और व्यापक संग्रह के साथ, नया शोरूम क्षेत्र के ग्राहकों को एक अद्वितीय खरीदारी का अनुभव प्रदान करने के लिए तैयार है।नए शोरूम के लॉन्च पर टिप्पणी करते हुए कल्याण ज्वैलर्स के एक्जीक्यूटिव डायरेक्टर रमेश कल्याणरमन ने कहा, 'एक कंपनी के रूप में हमने कई बड़ी उपलब्धियां हासिल की हैं और अपने ग्राहकों के खरीदारी अनुभव को बेहतर बनाने के लिए हर जतन करते हुए लगातार एक बेजोड़ इकोसिस्टम तैयार कर रहे हैं। अपनी विकास यात्रा के इस अगले चरण में हमें गिरिडीह में अपने नए शोरूम के लॉन्च की घोषणा करते हुए खुशी हो रही है। इस लॉन्च के साथ, हमारा लक्ष्य झारखंड राज्य में अपनी भौगोलिक मौजूदगी का लगातार विस्तार करना है।'लॉन्च का जश्न मनाते हुए, कल्याण ज्वैलर्स ने कई रोमांचक ऑफर्स की घोषणा की है, जिससे संरक्षकों को अपने आभूषण खरीद पर महत्वपूर्ण बचत का अवसर मिलेगा। ग्राहक सादे सोने के आभूषणों के मेकिंग चार्ज पर 45 प्रतिशत तक की छूट का लाभ उठा सकते हैं। प्रीमियम उत्पादों के लिए, मेकिंग चार्ज पर 30 प्रतिशत की छूट लागू है*, जबकि आभूषण ब्रांड मंदिर और प्राचीन आभूषणों के लिए मेकिंग चार्ज पर 35 प्रतिशत की छूट उपलब्ध है* ।खरीदारी के अनुभव को और बढ़ाने के लिए, 30 ग्राम से कम के सभी आभूषणों पर मेकिंग चार्ज पर 25 प्रतिशत की छूट मिलेगी इसके अलावा, मार्केट में सबसे कम और कंपनी के सभी शोरूमों में मान्य 'कल्याण स्पेशल गोल्ड बोर्ड रेट' भी लागू रहेगा, जिससे सहज और सेवा-समर्थित खरीदारी अनुभव मिलेगा। ग्राहकों को कल्याण ज्वैलर्स का 4-लेवल एश्योरेंस सर्टिफिकेट भी मिलेगा जो शुद्धता, आभूषणों के मुफ्त आजीवन रखरखाव, विस्तृत उत्पाद जानकारी और पारदर्शी विनिमय और बाय-बैक नीतियों की गारंटी देता है।

- कल्याण ज्वैलर्स ने अपने इस ब्रांड न्यू शोरूम के साथ झारखंड में अपनी उपस्थिति को किया और मजबूत

बिटकॉइन के भाव ने पार किया 100,000 डॉलर का स्तर

न्यूयॉर्क। दुनिया की सबसे प्रमुख क्रिप्टोकरेंसी बिटकॉइन, ने 100,000 अमेरिकी डॉलर के स्तर को पार कर दिखाया है। इस भारी उछाल के पीछे अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के नामितीकरण के संदेश हो सकते हैं। ट्रंप ने हाल ही में पॉल एटकिंस को प्रतिभूति एवं विनिमय आयोग (एसईसी) के नए अध्यक्ष नामित किया था। इस चयन से क्रिप्टोकरेंसी के प्रति उनके सावधान रुख का संकेत मिला और बिटकॉइन के भाव में तेजी आई। ट्रंप ने अटकिंस को उनके एक पूर्वाधिकारी गेर्ज डब्ल्यू बुश के राष्ट्रपति काल के दौरान एसईसी के आयुक्त नामित किया था। पिछले महीने के चुनावों के बाद से बिटकॉइन की मांग और मूल्य दोनों में बढ़ोतरी देखी जा रही है। इस उच्चतम स्तर पर पहुंचने के बाद बिटकॉइन ने नई मील स्तंभ का निशाना साबित किया है।

जीत का सिलसिला बनाये रखने उतरेगी भारतीय टीम

▶ सुबह 9.30 बजे से शुरू होगा मैच

एजेंसी

एडिलेड । भारतीय क्रिकेट टीम शुक्रवार से यहां मेजबान ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ होने वाले दूसरे क्रिकेट टेस्ट मैच में जीत के इरादे से उतरेगी। ये मैच दिन-रात का है और इसलिए गुलाबी गेंद से खेला जाएगा। इस मैच से कप्तान रोहित शर्मा औ शुभमन गिल टीम में वापसी करेंगे। रोहित दूसरे बच्चे के जन्म के कारण पर्थ में खेले गये पहले टेस्ट में शामिल नहीं थे जबकि शुभमन चोटिल होने के कारण बाहर थे। भारतीय टीम ने पर्थ में हुए पहले टेस्ट में 295 रनों से बड़ी जीत दर्ज की है जिससे उसका मनोबल बढ़ा हुआ है। ऐसे में वह दूसरे टेस्ट में भी जीत के साथ ही सीरीज में अपनी बढ़त को और आगे ले जाना चाहेगी। पहले टेस्ट में के एल राहुल ने यशस्वी जायसवाल के साथ पारी की शुरूआत करते हुए शानदार साझेदारी बनायी थी। इसी के बाद से ही सवाल उठ रहे थे कि कप्तान रोहित की वापसी के बाद वह पारी की शुरूआत करेंगे या राहुल और यशस्वी को ही ये जिम्मेदारी देंगे। इस का जवाब रोहित ने दिया है और कहा है कि राहुल और यशस्वी ही पारी शुरू करेंगे और वह मध्यक्रम में जरुरत के अनुसार उतरेंगे। वहीं शुभमन किया जगह पर उतरेंगे ये भी देखना होगा। भारतीय टीम ऑस्ट्रेलिया के अपने पिछले दौर में एडिलेड में खेले गए दिन रात्रि टेस्ट क्रिकेट मैच में अपनी पहली पारी में 36 रन पर आउट हो गया थी लेकिन इसके बाद उसने अच्छी वापसी करके श्रृंखला जीती थी। इस बार भारतीय टीम पहले मैच में जीत से उत्साह से उत्साहित है, इसलिए वह गुलाबी गेंद वाले इस मैच में बढ़े हुए मनोबल से उतरेगी। दिन-रात्रि टेस्ट मैच हालांकि भारतीय बल्लेबाजों के सामने अलग तरह की चुनौती पेश करेगा। गुलाबी गेंद से अतिरिक्त सीम मूवमेंट मिलता है और भारतीय बल्लेबाजों को इससे पार पाने के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ खेल दिखाना होगा। ऑस्ट्रेलिया का दिन रात्रि टेस्ट मैच में रिकॉर्ड अच्छा रहा है। उसने अभी तक घरेलू धरती पर जो 12 दिन रात्रि टेस्ट मैच खेले हैं उनमें से उसे केवल एक मैच में हार का सामना करना पड़ा लेकिन पहले टेस्ट मैच में करारी शिकस्त झेलने के कारण इस बार उसकी टीम पर दबाव रहेगा। रोहित मध्यक्रम में कहीं भी उतरें वह बड़ा स्कोर बनाने के लिए बेताब होंगे क्योंकि न्यूजीलैंड के खिलाफ घरेलू श्रृंखला में वह अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाए थे। इसके अलावा ऑस्ट्रेलिया में भी उनका रिकॉर्ड अच्छा नहीं है और वह इसमें सुधार करना चाहेंगे। रोहित और शुभमन अंतिम एकादश में देवदत्त पडिक्कल और ध्रुव जुरेल की जगह लेंगे। अंगूठे की चोट से उबर कर वापसी करने वाले शुभमन पहले टेस्ट मैच में भारत की ओर से यशस्वी और विराट कोहली ने शतक लगाये थ। अब ये दोनो इस मैच में भी बड़ी पारी खेलना चाहेंगे। वहीं भारतीय गेंदबाजी विभाग में बदलाव की संभावना नहीं है। एडिलेड की पिच से हालांकि स्पिनरों को मदद मिलती रही है और विकेट का जायजा लेने के बाद उसकी स्थिति को देखकर आर अश्विन या रविंद्र जडेजा में से किसी एक को टीम में शामिल किया जा सकता है। इसके अलावा स्पिन ऑलराउंड र वाशिंगटन सुंदर की जगह पक्की मानी जा रही है।

दूसरी ओर मेजबान ऑस्ट्रेलिया की राह भी आसान नहीं है। ट्रेविस हेड को छोड़कर पहले टेस्ट में उसके अन्य बल्लेबाज विफल रहे थे। ऐसे में अब इस मैच में अगर उसे जीत दर्ज करनी है तो स्टीव स्मिथ, उस्मान ख्वाजा और मार्नस लाबुशेन जैसे बल्लेबाजों को बेहतर प्रदर्शन करना होगा। ऑस्ट्रेलिया की चिंता गेंदबाजी को लेकर भी है। तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड चोटिल होने के कारण बाहर हो गए हैं। उनकी जगह टीम में स्कॉट बोलैंड को शामिल किया गया है।

खास खबर

बजरंग ने किया किसानों का समर्थन

सोनीपत। ओलंपिक कांस्य पदक विजेता पहलवान बजरंग पुनिया ने कहा है कि वह हमेशा किसानों के साथ रहेंगे। किसानों के दिल्ली कूच की घोषणा को लेकर बजरंग ने ये बात कही। उन्होंने कहा कि वह किसानों के साथ कल भी थे, और आगे भी रहेंगे। साथ ही कहा, ह्यह दुख की बात है कि जब हमारे किसान भाई आंदोलन कर रहे थे, तब उनकी शहादत भी हुई और अब भी आंदोलन जारी है पर उनकी समस्या हल नहीं हुई। किसानों को शांतिपूर्वक अपनी मांगें रखने का अधिकार है पर उन्हें रोका जा रहा है। उन्होंने कहा, ह्यहमारे उपराष्ट्रपति ने भी यह सवाल उठाया कि अगर सरकार ने लिखित में किसाने से न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) देने का वादा किया था, तो अब तक किसानों को वह क्यों नहीं दिया गया? उनके इस बयान का हम स्वागत करते हैं क्योंकि वह किसानों की आवाज उठाने के लिए आगे आए हैं। किसानों की मुख्य मांग है कि उन्हें अपनी फसलों का न्यूनतम समर्थन मूल्य मिले जिससे वे अपनी जिंदगी ठीक से चला सकें। यह कोई बड़ी मांग नहीं है; हर व्यक्ति को उसकी मेहनत के अनुसार मूल्य मिलना चाहिए। इसलिए चाहे वह शंभू बॉर्डर पर आंदोलन हो या किसी और जगह, मेरा समर्थन किसानों के साथ है।

भारतीय हॉकी टीम ने जूनियर एशिया कप जीता

मस्कट। अराइजीत सिंह हुंदल के शानदार प्रदर्शन से भारतीय टीम ने यहां हुए पुरुष जूनियर एशिया कप हॉकी के फाइनल को जीत लिया है। भारतीय हॉकी टीम ने खिताबी मुकाबले में पाकिस्तान को 5-3 से हराया। इससे पहले भारतीय टीम ने साल 2004, 2008, 2015 और 2023 में भी यह खिताब जीता था। अराइजीत ने चौथे ही मिनट में एक गोल कर भारतीय टीम मिनट में एक मैदानी गोल कर भारत को अच्छी खासी बढ़त दिला दी। वहीं एक अन्य गोल दिलराज सिंह ने 19वें मिनट में किया। दूसरी ओर पाक की ओर से सूफियान खान ने 30वें और 39वें मिनट में दो 2 पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदलकर गोल किये जबकि हन्नान शाहिद ने तीसरे मिनट में एक मैदानी गोल किया। वहीं तीसरे स्थान के लिए हुए मुकाबले में जापान ने मलेशिया को 2-1 से हरा दिया।

अभ्यास सत्र में दर्शकों के आने पर लगी रोक

एडिलेड । भारतीय क्रिकेट टीम ने दूसरे टेस्ट के लिए नेट अभ्यास के दौरान कई लोगों के आने से परेशान होकर खुले में नेट अभ्यास पर प्रतिबंध लगा दिया। टीम के अभ्यास को देखने काफी तादाद में लोग आ रहे थे जिससे खिलाड़ियों का ध्यान भंग हो रहा था। वहीं दूसरी ओर ऑस्ट्रेलिया की टीम ने ऐसी कोई पाबंदी नहीं लगायी। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) के एक प्रवक्ता ने कहा कि भारत ने शेष प्रशिक्षण सत्रों के लिए अपनी प्राथमिकता व्यक्त की है कि उनके आगामी सत्र बंद इंडोर हों। भारतीय टीम प्रबंधन का कहना है कि वह अपने बचे हुए प्रशिक्षण सत्रों में दर्शकों का प्रवेश नहीं चाहता है। भारतीय टीम ने दूसरे टेस्ट के लिए अपनी तैयारियों के तहत ही श्रोडाउन का अभ्यास किया। इस दौरान विराट कोहली को गेंदबाजी करते दिखे जसप्रीत बुमराह।

ऑस्ट्रेलियाई महिला क्रिकेट टीम ने भारतीय टीम को हराया

एजेंसी

एडीलेड । मेगन शट की घातक गेंदबाजी से ऑस्ट्रेलिया दौरे पर गयी भारतीय महिला क्रिकेट टीम के पहले ही एकदिवसीय मैच में पांच विकेट से करारी हार का सामना करना पड़ा है। हरमनप्रीत कौर की कप्तान में उतरी भारतीय टीम पहले एकदिवसीय में केवल 100 रनों पर ही सिमट गई। मेगान ने 19 रन देकर तीन विकेट लिए। इसके बाद जीत के लिए मिला छोटा सा लक्ष्य मेजबान टीम ने केवल 16.2 ओवर में ही पांच विकेट खोकर हासिल कर लिया। 101 रनों का लक्ष्य मेजबान ऑस्ट्रेलिया ने पांच विकेट खोकर हासिल कर लिया। सलामी बल्लेबाज जॉर्जिया वॉल ने 46 और फोएब लिचफील्ड ने 35 रन बनाये। इनके आउट होने के बाद जॉर्जिया वॉल ने टीम को जीत दिलायी। वहीं भारतीय टीम की ओर से तेज गेंदबाज रेणुका सिंह ने 3 और प्रिया मिश्रा ने 2 विकेट लिए। पहले एकदिवसीय मैच में कप्तान हरमनप्रीत कौर ने टॉस पहले बल्लेबाजी का फैसला किया जो सही नहीं रहा। भारतीय टीम की शुरूआत अच्छ नहीं रही और अनुभवी सलामी बल्लेबा स्मृति मंधाना केवल 8 रन बनाकर आउट हो गयी। इस प्रकार केवल 9 रनों पर ही भारतीय टीम ने अपना पहला विकेट खो दिया। इसके बाद एक के बाद एक विकेट गिरने लगे। 62 रन पर 4 विकेट गिरने के बाद जेमिमाह रोड्रिग्स 23 और ऋचा घोष ने पारी को 89 रन तक पहुंचाया। जेमिमाह के आउट होने के बाद टीम ने अपने अंतिम 6 विकेट केवल 11 रन के अंदर खो दिये। इस तरह पूरी भारतीय टीम 34.2 ओवर में 100 रन पर ही आउट हो गयी। . जेमिमाह के अलावा हरलीन देओल ने 19 और हरमनप्रीत कौर ने 17 रन बनाए। वहीं इनके अलावा ऋचा घोष ने 14 रन बनाये। बाकि बल्लेबाज दो अंकों तक नहीं पहुंच पायीं।

मैं किसी भी क्रम पर खेलने तैयार हूं : राहुल

एजेंसी

एडिलेड । अनुभवी बल्लेबाज केएल राहुल ने कहा कि वह अब किसी भी क्रम पर खेलने के लिए तैयार हैं। राहुल को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पहले टेस्ट में पारी की शुरूअत के लिए भेजा था जिसमें वह सफल रहे। उन्होंने दोनो ही बार टीम को अच्छी शुरूआत दी। राहुल ने कहा कि बल्लेबाजी क्रम में लगातार बदलाव के लिए वह मानसिक रुप से तैयार हो गये हैं। ऐसे में अब वह टीम के लिए किसी भी स्थान पर बल्लेबाजी करने तैयार हैं। राहुल से कहा, मैं केवल टीम में रहना चाहता हूं, जिसका मतलब है कि जहां भी मौका मिले वहां टीम के लिए बल्लेबाजी करने के लिए तैयार रहूं। राहुल ने ऑस्ट्रेलिया में अपना टेस्ट करियर ठीक एक दशक पहले मध्यक्रम बल्लेबाज के रूप में शुरू किया था। उन्होंने बाद में हालांकि सलामी बल्लेबाज की भूमिका भी निभाई है। इस बीच टेस्ट और एकदिवसीय दोनों में उनका बल्लेबाजी क्रम लगातार बदलता रहा और इसने उन्हें मानसिक तौर पर प्रभावित भी किया पर अब वह उसके लिए तैयार हैं। इस बल्लेबाज ने कहा, मैंने कई स्थानों पर बल्लेबाजी की है। पहले यह थोड़ा चुनौतीपूर्ण था। यह चुनौती तकनीकी रूप से नहीं, बल्कि मानसिक रूप से थी कि शुरूआती 20-25 गेंदों को कैसे सामना करना है। इसके अलावा कितनी जल्दी आक्रामक रूख अपना सकता हूं या मुझे कितना सतर्क रहने की जरूरत है। ये ऐसी चीजें थी जो शुरू में ही मुझे परेशान करती थी। राहुल ने टेस्ट में आठ शतक जड़े हैं। जिसमें से दक्षिण अफ्रीका और इंग्लैंड में दो-दो शतक के अलावा उन्होंने ऑस्ट्रेलिया में भी एक शतकीय पारी है।

गोवा ने लगाई जीत की हैट्रिक, हैदराबाद एफसी के खिलाफ बटोरे पूरे तीन अंक

एजेंसी

हैदराबाद। इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) 2024-25 में हैदराबाद एफसी का अपने घरेलू मैदान जीएमसी बालायोगी एथलेटिक स्टेडियम में हारने का सिलसिला जारी है। मेजबान टीम को अपने घर पर खेले चौथे मैच में भी हार मिली, जब एफसी गोवा ने बुधवार रात आईएसएल 2024-25 में जीत की हैट्रिक पूरी करते हुए मुकाबला 2-0 से अपने नाम किया।

एफसी गोवा की जीत में राइट विंगर उदांता सिंह ने 33वें और स्पेनिश अटैकिंग मिडफील्डर इकर गुआरोटक्सेना ने 44वें मिनट में गोल किए। स्पेनिश अटैकिंग मिडफील्डर इकर गुआरोटक्सेना को दूसरा गोल करने और मिडफील्ड में दमदार खेल दिखाने के लिए प्लेयर ऑफ द मैच घोषित किया गया। एफसी गोवा 10 मैचों में पांच जीत, तीन ड्रा और दो हार से 18 अंक लेकर तालिका में छठे से तीसरे स्थान पर आ गई है। वहीं, अपनी टीम की लगातार तीसरी हार से हैदराबाद एफसी के हेड कोच थांगबोई सिंग्टो जरूर निराश होंगे। हैदराबाद एफसी 10 मैचों में दो जीत, एक ड्रा और सात हार से सात अंक लेकर तालिका में 11वें स्थान पर बनी हुई है। यह आईएसएल में दोनों टीमों के बीच 11वां मुकाबला था और आज एफसी गोवा ने छठी बार जीत हासिल की है जबकि हैदराबाद ने तीन मैच जीते हैं। दो मैच ड्रा रहे हैं।मैच का पहला गोल 33वें मिनट में आया, जब राइट विंगर उदांता सिंह ने एफसी गोवा को शुरूआती बढ़त दिलाते हुए स्कोर 1-0 कर दिया।

मुश्ताक अली ट्रॉफी : बड़ौदा ने बनाये 349 रन

इंदौर । भानु पनिया की शतकीय पारी 134 रनों की सहायता से बड़ौदा ने टी20 क्रिकेट में सिक्किम के खिलाफ सबसे बड़ा स्कोर बनने के साथ ही एक नया रिकार्ड अपने नाम किया है। बड़ौदा ने इस मैच में 5 विकेट पर 349 रन बनाये। इस प्रकार बड़ौदा सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में 300 से अधिक रन बनाने वाली पहली टीम बन गई है। इससे पहले टूनार्मेंट में पिछली बार पंजाब ने आंध्र के खिलाफ 275 रन बनाए थे। बड़ौदा की ओरे से आक्रामक बल्लेबाजी करते हुए भानु ने केवल 42 गेंदों पर शतक लगाया जबकि वह 51 गेंदें खेलते हुए 134 रन बनाकर नाबाद रहे। इसके अलावा अभिमन्यु सिंह, विष्णु सोलंकी और शिवालिक शर्मा ने भी अर्धशतक लगाये।

विराट को फिर कप्तान बना सकती है आरसीबी : अश्विन

एजेंसी

मुम्बई । दिग्गज स्पिनर आर अश्विन ने कहा है कि विराट कोहली को एक बार फिर से रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) अपना कप्तान बना सकती है। आरसीबी ने 2025 सत्र के लिए नीलामी के बाद अपनी नई टीम बना ली है पर इस टीम का अगला कप्तान कौन होगा वह अभी साफ नहीं हुआ है। विराट के अलावा इस टीम में क्रुणाल पंड्या और भुवनेश्वर कुमार ही दो ऐसे खिलाड़ी है जिन्हें कप्तानी का दावेदार माना जा रहा है। अश्विन का मानना है कि विराट आईपीएल सत्र सीजन के लिए कप्तानी संभाला सकते हैं। कोहली ने साल 2022 में टीम की कप्तानी छोड़ दी थी पर 2023 में फॉफ डुप्लेसिस के चोटिल होने के बाद कुछ मैचों में उन्होंने टीम की कप्तानी करनी पड़ी थी। आरसीबी की ओर से फिलहाल कप्तान को लेकर कुछ नहीं कहा जा रहा है पर अश्विन को लगता है कि ये पहले से तय है। उन्होंने कहा कि कोहली ही कप्तान की भूमिका में नजर आएंगे क्योंकि आरसीबी ने नीलामी के तहत किसी ऐसे खिलाड़ी को नहीं खरीदा जो कप्तान बन सके।

अश्विन ने ये भी कहा कि आरसीबी के लिए ये नीलामी अच्छी रही क्योंकि उन्होंने अपनी टीम को संतुलित किया और सही खिलाड़ियों का चयन किया है। अश्विन ने कहा कि आरसीबी ने आरटीएम का ज्यादा इस्तेमाल किए बना ही अपने पहले 12-14 खिलाड़ियों को समझदारी से खरीदा। उन्होंने कहा कि मुझे व्यक्तिगत रूप से लगता है कि उनकी नीलामी बेहतरीन रही। उन्होंने संतुलन बनाए रखा और इंतजार करते हुए जरुरत के अनुसार खिलाड़ी खरीदे।

ऑस्ट्रेलियाई टीम में आक्रामकता की कमी : वॉन

एजेंसी

सिडनी । इंग्लैंड के पूर्व कप्तान माइकल वॉन ने कहा कि पहले टेस्ट में हार का कारण ऑस्ट्रेलियाई टीम में आक्रामकता की कमी होना रहा। वॉन ने कहा कि भारतीय टीम के खिलाफ बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के इस मैच में उन्हें कभी भी ऑस्ट्रेलियाई टीम में आक्रामकता नहीं दिखी थी। उनकी बल्लेबाजी में पहले वाली चमक नहीं थी। अब ऑस्ट्रेलियाई टीम एडिलेड ओवल में 6 दिसंबर को होने वाले दिन-रात के दूसरे मैच में बेहतर प्रदर्शन के इरादे से उतरेगी। पहले टेस्ट में ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाजी क्रम पूरी तरह से असफल रहा। स्टीव स्मिथ और मार्नस लाबुशेन जैसे बल्लेबाज भी रन नहीं बना पाये केवल ट्रेविस हेड ही कुछ हद तक भारतीय गेंदबाजों का सामना कर पाये। वहीं दूसरी ओर भारतीय टीम की ओर से यशस्वी जायसवाल और विराट कोहली ने शतकीय पारियों खेली। जिसके कारण मेजबान टीम को विशाल लक्ष्य मिला। इसका पीछा करते हुए ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी मानसिक और शारीरिक रूप से थक गये। वॉन ने कहा कि भातरीय टीम एक बार आत्मविश्वास महसूस करने के बाद बेहद खतरनाक हो जाती है और यह पर्थ में दिखाई दिया क्योंकि उनकी बॉडी लैंग्वेज और खेलने का तरीका आक्रामक था। वॉन ने कहा, भारतीय टीम एक बहुत ही खतरनाक टीम है, खासकर जब उन्हें आत्मविश्वास मिलना शुरू होता है और मुझे लगता है कि हमने पर्थ में यह देखा था। उनके पास वह ऊर्जा और वह आक्रामक स्वभाव है, और यही एक चीज है जिसने मुझे पर्थ में हौरान कर दिया। मुझे पता है कि भारत शीर्ष पर था, लेकिन भारत एक अधिक आक्रामक टीम की तरह लग रहा था।

मेरी धोनी से बात नहीं होती : हरभजन

एजेंसी

मुम्मई। दिग्गज स्पिनर हरभजन सिंह ने कहा है कि उनकी पिछले दस साल से पूर्व कप्तान महेन्द सिंह धोनी से बात नहीं हुई है। इससे पता चलता है कि दोनो के बीच मतभेद हैं। अंतिम बार हरभजन और धोनी ने एक साथ भारत की ओर से साल 2015 में खेला था। इसके तीन साल बाद फिर से दोनो ने आईपीएल में चेन्नई सुपर किंग्स के लिए कुछ सत्र खेले। इस दौरान भी मैदान पर बातों खेल को लेकर ही होती थीं। हरभजन ने कहा, नहीं, मैं अब धोनी से बात नहीं करता। जब मैं सीएसके में खेल रहा था, तब हमने बात की थी पर इसके अलावा, हमने बात नहीं की। हरभजन ने हालांकि कहा कि बात न करने का कोई कारण नहीं है। जब हम सीएसके में आईपीएल में खेल रहे थे, तब हम बात करते थे, और वह भी मैदान तक ही सीमित थी। उसके बाद वह मेरे कमरे में नहीं आया, न ही मैं उसके कमरे में गया। हरभजन ने कहा कि वह युवराज सिंह और आशीष नेहरा से संपर्क में रहे हैं। हरभजन ने कहा, धोनी के खिलाफ मेरे दिल में कुछ नहीं है। अगर उन्हें कुछ कहना है, तो वे मुझे बता सकते हैं। लेकिन अगर उन्होंने कहा होता, तो वे अब तक मुझे बता चुके होते। मैंने उन्हें कभी फोन नहीं किया क्योंकि मेरे अंदर बहुत जुनून है। मैं सिर्फ उन्हीं को फोन करता हूँ, जो मेरा फोन उठाते हैं। मेरे पास इसके अलावा समय नहीं है। मैं उन लोगों के संपर्क के रहता हूं, जो मेरे दोस्त हैं। एक रिश्ता हमेशा देने और लेने के बारे में होता है। अगर मैं आपका सम्मान करता हूं, तो मुझे उम्मीद है कि आप भी मेरा सम्मान करेंगे।

ऐतिहासिक अबू धाबी टी10 के सबसे बड़े सीजन का समापन

▶ 140 अंतरराष्ट्रीय सितारों ने बिखेरा जलवा

एजेंसी

अबू धाबी। डेक्कन ग्लेडियेटर्स के चैंपियन बनने के साथ ही 2 दिसंबर को अबू धाबी टी10 लीग 2024 का समापन हो गया, खिताबी मुकाबले में डेक्कन ग्लेडियेटर्स ने मॉरिसविले सैंप आर्मी को आठ विकेट से हराकर खिताब जीता।

आठवें सीजन में टूनार्मेंट की लोकप्रियता काफी बढ़ गई, जिसमें जोस बटलर, निकोलस पूरन, ट्रेंट बोल्ट और कीरोन पोलार्ड जैसे कुछ बेहतरीन क्रिकेटरों ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई और दुनिया भर के प्रशंसकों ने वैश्विक प्रसारण के माध्यम से सबसे छोटे प्रारूप का आनंद लिया। ग्लेडियेटर्स अब टूनार्मेंट के इतिहास की सबसे सफल टीम है क्योंकि उन्होंने इस सीजन में अपना रिकॉर्ड तीसरा खिताब जीता है। उनके तीन खिलाड़ियों ने टूनार्मेंट के अंत में महत्वपूर्ण पुरस्कार भी जीते, जिसमें उनके स्टार बल्लेबाज और इंग्लिश कप्तान जोस बटलर ने 224.07 की स्ट्राइक रेट से 242 रन बनाकर प्लेयर ऑफ द टूनार्मेंट का पुरस्कार जीता। सलामी बल्लेबाज टॉम कोहलर-कैडमोर को 222 रन बनाने के लिए टूनार्मेंट का सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज घोषित किया गया, जबकि रिचर्ड ग्लीसन को 10.07 की इकॉनमी से 14 विकेट लेने के लिए टूनार्मेंट का गेंदबाज चुना गया। स्थानीय खिलाड़ी शाहिद भुट्टा, जिन्होंने 10.93 की इकॉनमी से 10 विकेट लिए, को यूएई प्लेयर ऑफ द टूनार्मेंट चुना गया। इस सीजन में टूनार्मेंट के इतिहास में टीमों का सबसे बड़ा पूल भी देखा गया जिसमें दो नई टीमों- यूपी नवाब और अजमान बोल्ट को रोस्टर में जोड़ा गया। टूनार्मेंट के इतिहास में पहला शतक भी इसी सीजन में लगा जब शेरफेन रदरफोर्ड ने नॉर्दर्न वॉरियर्स के खिलाफ 40 गेंदों में नाबाद 103 रन बनाए। वैश्विक प्रसारकों के सहयोग से टूनार्मेंट का प्रसारण कई देशों में किया गया। इसमें डिज्नी स्टार के साथ दो साल का करार भी शामिल था, जिसने भारतीय आबादी के लिए अंग्रेजी, हिंदी और अन्य क्षेत्रीय भाषाओं में टूनार्मेंट का प्रसारण किया। इस टूनार्मेंट में अपने इतिहास में सबसे बड़ी संख्या में अंतरराष्ट्रीय भागीदारी देखी गई क्योंकि इस सीजन में विभिन्न देशों के करीब 140 खिलाड़ी एक्शन में थे। यूएई क्रिकेट खिलाड़ी रोहान मुस्तफा, जो अबू धाबी में एक फ्रेंचाइजी का नेतृत्व करने वाले पहले स्थानीय खिलाड़ी बने, ने कहा, ह्यबेशक, टी10 एक प्रमुख टूनार्मेंट है और आयोजकों ने इसे काफी अच्छे से प्रबंधित किया है। मैंने भी इसे शुरू से खेला है और यह पहली लीग है जिसमें यूएई के स्थानीय खिलाड़ी शामिल हैं। ऐसी लीग, जो एक्शन से भरपूर भी होती हैं, हमें खुश और अधिक भावुक बनाती हैं।

नई दिल्ली में एशियाई महिला हैंडबॉल चैम्पियनशिप में खेलती हुई जापान व चीन की खिलाड़ी।

कीवी में

छिपा है पोषक तत्वों का भंडार

पोषक तत्वों से भरपूर फल स्वास्थ्य के लिए बेहद जरूरी होते हैं। हर फल की अपनी खासियत और फायदे होते हैं। स्वाद में खट्टा-मीठा लगने वाला कीवी भी अपने बेजोड़ फायदों के लिए जाना जाता है। इसका खट्टा मीठा स्वाद लोगों को बेहद पसंद आता है। कीवी में पोटेशियम, फाइबर, विटामिन सी, फोलिक एसिड, विटामिन ई और पॉलीफेनॉल्स भरपूर मात्रा में पाए जाते हैं। कीवी में कैलोरी कम मात्रा में होती है इसलिए वजन कम करने वालों के लिए यह फल अमृत समान है। चलिए बताते हैं इस फल का सेवन करने से कौन सी परेशानियां दूर होंगी और इसका सेवन किस समय करना चाहिए?

आंखों की रोशनी बढाए

विटामिन ए से भरपूर कीवी आंखों की रौशनी को तेजी से बढ़ाता है। ल्यूटिन और ज़ेक्सैंथिन से भरपूर यह फल एंटीऑक्सिडेंट का बेहतरीन सोर्स है। यह फल आंखों के स्वास्थ्य का समर्थन करते हैं।

इम्यूनिटी बनाए मजबूत

जिन लोगों की रोग प्रतिरोधक क्षमता कमजोर होती उन लोगों को अपनी इम्यूनिटी को बढ़ाने के लिए आप कीवी का सेवन करना चाहिए। इसमें मौजूद विटामिन-सी कमजोर इम्यूनिटी को बढ़ाने में मदद करते हैं।

बुखार में फायदेमंद

एंटीऑक्सीडेंट्स, विटामिन सी और फाइबर जैसे कई पोषक तत्वों से भरपूर कीवी डेंगू जैसे बुखार में लाभकारी होता है। में प्लेटलेट्स तेजी से कम होने लगता है जिसमें कीवी इन प्लेटलेट्स को बढ़ाने में मदद करती है।

स्किन के लिए फायदेमंद

कीवी में मौजूद विटामिन सी और ई जैसे एंटीऑक्सीडेंट त्वचा को ऑक्सीडेटिव डैमेज से बचाते हैं। साथ ही कोलेजन को बढ़ावा देते हैं, और युवा त्वचा को बनाए रखने में मदद करते हैं।

हृदय के लिए लाभकारी

कीवी में मौजूद पोटेशियम ब्लड प्रेशर को नियंत्रित कर हृदय संबंधी कार्य को बनाए रखने में मदद करता है, जिससे हृदय रोग का खतरा कम हो जाता है।

कब्ज करे दूर

अगर आप कब्ज के मरीज हैं तो रोज़ाना 2 से 3 कीवी का सेवन करें। कब्ज की समस्या को दूर करने में कीवी लाभकारी है।

कब करें कीवी का सेवन?

कीवी का सेवन दोपहर या शाम की बजाय सुबह 10 से 12 के बीच करें। कीवी में भरपूर मात्रा में पोषक तत्व पाए जाते हैं जो सेहत की बेहतरीन देखभाल करते हैं। आप इसे खाली पेट भी खा सकते हैं। हालांकि, खाली पेट खट्टा फल खाने से आपको एसिडिटी की समस्या हो सकती है तो इसे खाली पेट खाने की बजाय कुछ नाश्ता कर खाएं।

काजल के इन नए शेड्स

से बेस्ट आई मेकअप लुक पाएं, ब्लैक के अलावा ट्राई करें ये रंग

काजल एक ऐसा मेकअप प्रोडक्ट है जो हर महिला के मेकअप बैग का जरूरी हिस्सा बन चुका है। यह आंखों को आकर्षक और बड़ी दिखाने के लिए बेहद फायदेमंद है, लेकिन क्या आप सिर्फ ब्लैक काजल तक ही सीमित हैं? अगर हां, तो अब समय है अपने आई मेकअप रूटीन में कुछ नया जोड़ने का। इस लेख में हम आपको काजल के कुछ ऐसे डिज़ाइंस और शेड्स के बारे में बताएंगे, जिन्हें आप अपनी वैनिटी में जरूर शामिल करना चाहेंगी।

डबल कलर काजल

डबल कलर काजल लुक आजकल बेहद पॉपुलर है। यह काजल का डिज़ाइन ना सिर्फ आंखों को आकर्षक बनाता है, बल्कि बहुत ही कूल और स्टाइलिश भी लगता है। इस लुक को आप दोनों आंखों में अलग-अलग रंगों के काजल का इस्तेमाल करके प्राप्त कर सकती हैं। उदाहरण के लिए, आप एक आंख में ग्रीन काजल और दूसरी आंख में पिंक काजल लगा सकती हैं। इस डिज़ाइन को आप वेस्टर्न ड्रेस के साथ बेहद आराम से कैरी कर सकती हैं और किसी पार्टी या फंक्शन में यह आपको खास आकर्षण का केंद्र बना सकता है। इसके अलावा, आप इसके साथ मैचिंग आई शैडो भी यूज कर सकती हैं, ताकि लुक और भी खूबसूरत बने।

ब्रॉड ब्लैक काजल

ब्रॉड ब्लैक काजल एक क्लासिक लुक है, जिसे आप किसी भी अवसर पर पहन सकती हैं। यह लुक आंखों को गहरा और एक्सप्रेसिव बनाता है। आमतौर पर ब्लैक काजल को पतला लगाया जाता है, लेकिन जब इसे ब्रॉड तरीके से लगाया जाता है, तो यह ज्यादा ड्रामेटिक और ग्लैमरस दिखता है। यह खासतौर पर पारंपरिक ड्रेस जैसे साड़ी, सलवार-कुर्ता या किसी भी प्रकार के इंडियन आउटफिट के साथ बहुत अच्छा लगता है। इस लुक को बेहतर बनाने के लिए आप सिल्वर ज्वेलरी और न्यूड बेज लिपस्टिक का इस्तेमाल कर सकती हैं, जो आपके लुक को बैलेंस और एलीगेंट बनाए रखेगी।

कैट आई काजल

कैट आई काजल लुक एक ट्रेंडी और ग्लैमरस डिज़ाइन है, जिसे कई सेलेब्स और स्टाइलिश महिलाएं अपने लुक को एलेवेट करने के लिए अपनाती हैं। इस लुक में काजल को आंखों के बाहरी कोने तक फैलाया जाता है, जिससे आंखों का आकार और ज्यादा बड़ा और सेक्सी नजर आता है। इस लुक के लिए आप ग्रीन, ब्लू या रेड काजल का भी इस्तेमाल कर सकती हैं। कैट आई काजल के साथ न्यूड लिप्स और हल्के आई शैडो का इस्तेमाल करें ताकि काजल और लुक दोनों को पूरी तरह से हाईलाइट किया जा सके। यह लुक खासकर वेस्टर्न कपड़ों के साथ बहुत अच्छा लगता है, लेकिन इसे पारंपरिक ड्रेस के साथ भी अपनाया जा सकता है।

स्मोकी काजल

स्मोकी काजल लुक एक और खूबसूरत और सेक्सी आई मेकअप स्टाइल है। इसमें काजल को आंखों के बाहरी कोने से अंदर की ओर अच्छे से स्मज किया जाता है, जिससे एक स्मोकी और ड्रामेटिक लुक मिलता है। यह लुक नाइट पार्टीज, डेट नाइट्स या किसी खास अवसर के लिए परफेक्ट होता है। इस लुक को आप ब्लैक, ब्राउन या पर्पल काजल के साथ बना सकती हैं। इसके बाद हल्के आई शैडो से स्मज करें और वॉटरप्रूफ मस्कारा लगाएं, जिससे आपका लुक पूरे दिन सही रहे।

कलर्ड काजल

आजकल मार्केट में बहुत सारे कलर्ड काजल उपलब्ध हैं, जैसे पिंक, गोल्ड, पर्पल, ब्लू और ग्रीन। कलर्ड काजल न सिर्फ आंखों को फ्रेश और यंग लुक देता है, बल्कि यह आपके लुक को भी एक अलग ही डिमेंशन देता है। आप इस काजल को न केवल अपनी आंखों के पानी की लाइन में, बल्कि आंखों के नीचे भी लगा सकती हैं, जिससे आपको एक अलग और यूनिक लुक मिलता है। कलर्ड काजल को आप वेस्टर्न और इंडियन दोनों ही ड्रेस के साथ कैरी कर सकती हैं, और यह किसी भी पार्टी में आपकी आंखों को आकर्षक बना सकता है।

स्मूद और नैचुरल काजल

यदि आप एक नैचुरल लुक चाहती हैं, तो स्मूद और हल्का काजल बेहतर विकल्प हो सकता है। इसे हल्के हाथों से अपनी वाटरलाइन पर लगाकर अपनी आंखों को थोड़ी सी डिफिनिशन दे सकती हैं। यह लुक खासतौर पर उन महिलाओं के लिए है जो एक डेली वियर लुक चाहती हैं, जिसमें बहुत ज्यादा मेकअप न हो। यह काजल हर दिन के लुक के लिए परफेक्ट होता है और इसे किसी भी सादा ड्रेस के साथ कैरी किया जा सकता है।

इन सभी काजल डिज़ाइनों के साथ आप अपने आई मेकअप को नया और ट्रेंडी बना सकती हैं। हर लुक को अपनी पसंद और अवसर के हिसाब से चुनें और अपनी आंखों को और भी खूबसूरत बनाएं।

घर पर बनाएं आंवले खट्टी-मिठी डाइजेस्टिव गोली

आंवला एंटीऑक्सीडेंट और विटामिन सी से भरपूर होता है। आंवला इम्यूनिटी बूस्ट करने में कारगर साबित हो सकता है। आंवले के सेवन से हेल्थ ठीक रहती है। आंवले का जूस पीने से शरीर हेल्दी है। आंवले को डाइट में शामिल करने से पाचन संबंधी समस्याओं में लाभदायक होता है। आप भी अपने घर पर बेहद आसान तरीके से डाइजेस्टिव खट्टी-मीठी गोलियां बनाएं। इसे बच्चे से लेकर बड़े भी खूब खाना पसंद करेंगे।

आंवले की खट्टी-मीठी गोली बनाने के लिए सामग्री

- 500 ग्राम आंवला
- एक कप गुड़
- सेंधा नमक स्वादानुसार
- काला नमक एक चम्मच
- काली मिर्च पाउडर एक चम्मच
- भुना जीरा एक चम्मच
- आधा कप पिसी चीनी
- एक चौथाई चम्मच हींग
- नींबू का रस

आंवले की खट्टी-मीठी गोली बनाने की विधि

- इसके लिए आप आंवले को अच्छे से धो लें। इसके बाद कूकर में उबाल लें।
- उबले आंवले को कूकर से निकालें और ठंडा होने के लिए रख दें। जब ये ठंडे हो जाएं तो आवले की गुठली को निकाल दें।
- अब आप आंवलों को मिक्सी में डालकर पीस लें और पेस्ट तैयार कर लें। ध्यान रहे कि आंवला बारीक पीसा हुआ। पीसने में पानी का थोड़ा इस्तेमाल करें।
- इसके बाद पैन गर्म करें और एक कप गुड़ डालें। इसके साथ ही पिसा हुआ आंवले का पेस्ट भी जरुर डालें।
- धीरे-धीरे मिक्स करते हुए आप इसे भूनें। गैस को धीमा ही रखें फिर अब इसमें सारे मसाले डाल दें। भुना हुआ जीरा, काली मिर्च, हींग, काला नमक, सेंधा नमक सब डाल दें, फिर इसे अच्छे से भूनें।
- आप इसे जब तक चलाएं कि ये गाढ़ा ना हो जाए। जब गाढ़ा हो जाए तो इक्ट्ठा तो गैस को बंद कर दें और इसे ठंडा होने दें।
- प्लेट पर पिसी चीनी डालें और तैयार आंवले की छोटी गोली बनाएं और पिसी चीनी को इस पर लपेटें।
- तैयार है आपकी डाइजेस्टिव खट्टी-मीठी आंवले की गोली।

सेहत के लिए वरदान औषधीय गुणों से भरपूर ये फल

शरीफे को सीताफल के नाम से भी जाना जाता है। अंग्रेजी में इस फल का नाम कस्टर्ड एप्पल है। आपकी जानकारी के लिए बता दें कि इस फल में एक से बढ़कर एक औषधीय गुणों को अच्छी खासी मात्रा पाई जाती है। यही वजह है कि इस फल को ओवरऑल हेल्थ के लिए काफी ज्यादा फायदेमंद माना जाता है। शरीफे में विटामिन सी, पोटैशियम, विटामिन ए, कॉपर, फॉस्फोरस, फाइबर और कैल्शियम जैसे पोषक तत्व पाए जाते हैं। आइए इस फल से मिलने वाले कुछ कमाल के हेल्थ बेनिफिट्स के बारे में जानते हैं।

फैट बर्न करने में कारगर

अगर आप अपने बढ़ते हुए वेट पर काबू पाना चाहते हैं तो इस फल का सेवन करना शुरू कर दीजिए। पेट की चर्बी को कम करने के लिए इस फल को खाने की सलाह दी जाती है। इसके अलावा शरीफे में पाए जाने वाले तमाम तत्व आपकी गट हेल्थ को भी सुधार सकते हैं। पेट से जुड़ी समस्याओं से छुटकारा पाने के लिए इस फल का सेवन किया जा सकता है।

कंट्रोल करे बीपी-शुगर

इस फल को खाकर आप अपने ब्लड प्रेशर को कंट्रोल कर सकते हैं। यही वजह है कि इस फल को हार्ट के लिए काफी ज्यादा फायदेमंद माना जाता है। इतना ही नहीं इस फल में पाए जाने वाले तत्व आपके ब्लड शुगर लेवल को काबू करने में भी कारगर साबित हो सकते हैं। यानी शरीफे को सही तरीके से और सही मात्रा में कंज्यूम कर डायबिटीज को मैनेज करने में भी मदद मिल सकती है।

इम्यून सिस्टम को मजबूत बनाए

रेगुलरली इस फल का सेवन कर आप अपने इम्यून सिस्टम को काफी हद तक इम्प्रूव कर सकते हैं। इसके अलावा शरीफा आपके दिमाग को तेज और मजबूत बना सकता है। इस फल का सेवन कर आप अपनी बोन हेल्थ को भी काफी हद तक स्ट्रॉन्ग बना सकते हैं। शरीफे में पाए जाने वाले तत्व आपकी सेहत के साथ-साथ आपकी स्किन के लिए भी वरदान साबित हो सकते हैं।

कमाल का रिजल्ट देता है

मूंगफली का फेस पैक , मिनटों में त्वचा बनेगी मुलायम और चमकदार

सर्दी के दस्तक देते हैं घरों में मूंगफली आनी शुरू हो जाती है। यह सिर्फ सेहत के लिए ही नहीं बल्कि आपके चेहरो के लिए भी काफी फायदेमंद है। भिगोई हुई मूंगफली का फेस पैक बनाकर आप अपनी त्वचा को पोषण दे सकते हैं। मूंगफली में मौजूद विटामिन ई, ओमेगा-3 फैटी एसिड, और एंटीऑक्सीडेंट्स त्वचा को पोषण देकर नमी बनाए रखते हैं और इसे दमकाने में मदद करते हैं। इसे घर पर बनाकर उपयोग करें और महंगे केमिकल प्रोडक्ट्स से बचें। आइए जानते हैं भिगोई हुई मूंगफली से फेस पैक बनाने और उपयोग करने का तरीका।

भिगोई हुई मूंगफली से फेस पैक बनाने की विधि

- मूंगफली को 5-6 घंटे या रातभर पानी में भिगो दें।
- भीगी हुई मूंगफली को मिक्सर में डालकर बारीक पेस्ट बना लें।
- इसमें शहद और दूध (या दही) मिलाएं। यदि चाहें तो कुछ बूंदें गुलाबजल भी मिला सकते हैं।
- इस पेस्ट को अच्छी तरह से मिलाकर स्मूद फेस पैक तैयार करें।
- तैयार फेस पैक को पूरे चेहरे और गर्दन पर समान रूप से लगाएं।
- 15-20 मिनट तक इसे सूखने दें, हल्के गुनगुने पानी से चेहरे को मसाज करते हुए पैक हटाएं।
- अंत में चेहरे को ताजे पानी से धो लें और मॉइश्चराइज़र लगाएं।

मूंगफली फेस पैक के फायदे

- मूंगफली में मौजूद प्राकृतिक तेल त्वचा को गहराई से मॉइश्चराइज़ करता है।
- मूंगफली के छोटे कण स्क्रब की तरह काम करते हैं, जो डेड स्किन सेल्स को हटाकर त्वचा को साफ और चमकदार बनाते हैं।
- इसमें मौजूद एंटीऑक्सीडेंट्स त्वचा की उम्र बढ़ने के लक्षणों को कम करने में मदद करते हैं।
- मूंगफली में मौजूद फैटी एसिड त्वचा को पोषण देकर एक्ने और दाग-धब्बे कम करने में सहायक होते हैं।
- दूध या दही त्वचा को मुलायम और लचीला बनाता है।

सावधानियां

1. मूंगफली से एलर्जी होने पर इस फेस पैक का उपयोग न करें।
2. हमेशा फेस पैक को ताजा बनाएं और तुरंत इस्तेमाल करें।
3. सप्ताह में 1-2 बार इसका उपयोग करें।
4. इस्तेमाल से पहले चेहरे पर पैच टेस्ट जरूर करें।

इन दालों के ज़्यादा सेवन से बढ़ सकती है पेट में गैस की समस्या

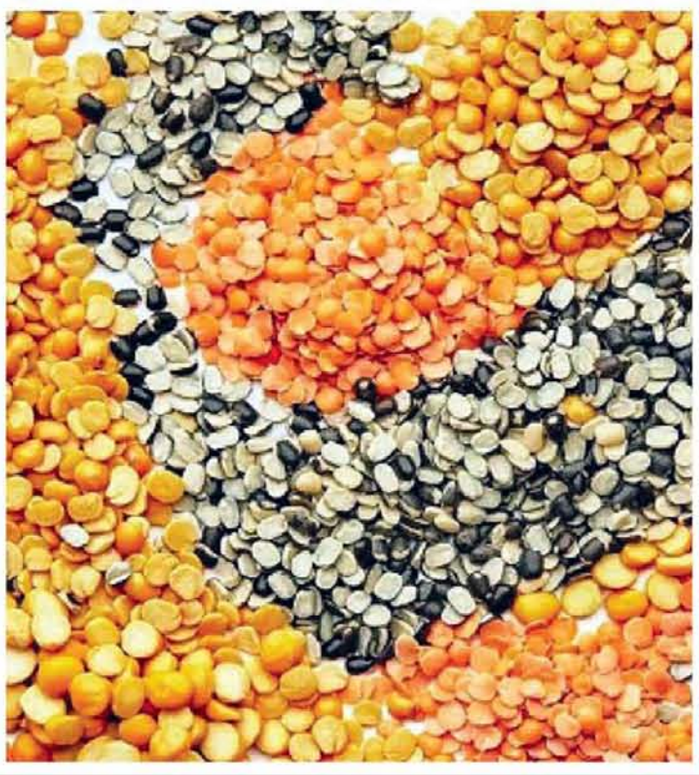

ज़्यादातर लोगों को खाने के बाद पेट फूलने या ब्लोटिंग की समस्या होने लगती है। पेट फूलने के बाद कई बार खट्टी डकार या जलन होने लगती है। ऐसी स्थिति में लोग बेहद परेशान हो जाते हैं। बता दें ब्लोटिंग या गैस के पीछे दाल का सेवन भी हो सकता है। आपको जानकर हैरानी होगी लेकिन कुछ दाल का सेवन करने से पेट में गैस बनने लगती है। ऐसे में जो लोग ब्लोटिंग या गैस की समस्या से पपरेशान होते हैं उन्हें इन दालों का सेवन नहीं करना चाहिए। चलिए हम आपको बताते हैं पेट को फूलने से बचाने के लिए आपको किन दाल को नहीं खाना चाहिए?

चना दाल

चने की दाल सेहत के लिए बेहद फायदेमंद है। लेकिनप्रोटीन और फाइबर से भरपूर यह दाल पेट में गैस बनाती है और ब्लोटिंग की समस्या को तेजी से बढ़ाती है। ऐसे में जिन लोगों को गैस की समस्या होती है उन्हें इस दाल को कम खाने की सलाह दी जाती है।

उड़द की दाल

गैस की संसय से परेशान लोगों को काली उड़द की दाल नहीं खानी चाहिए। यह दाल आसानी से पचती नहीं है। ऐसी में इस दाल का सेवन करने से कब्ज, पेट में गैस, ब्लोटिंग की परेशानी हो सकती है।

मसूर की दाल

मसूर दाल भी पेट की कई परेशानियों का कारण बनती है। इसे खाने से ब्लोटिंग और गैस की समस्या बढ़ सकती है।

गैस की समस्या से छुटकारा पाने के लिए इन चीज़ों का भी रखें ध्यान-

खाना चबाकर खाएं-खाने के छोटे-छोटे टुकड़े बड़े टुकड़ों की तुलना में पचाने में आसान होते हैं, जिससे यह संभावना कम हो जाती है कि रात का खाना आपके पेट में ज़्यादा देर तक रहेगा।

हाइड्रेटेड रहें-आपको गैस और ब्लोटिंग का सामना न करना पड़े इसलिए अपनी बॉडी को हाइड्रेटेड रखें। ज़्यादा पानी पीने से आपके जीआई ट्रैक्ट में चीज़ें ठीक से काम करती हैं।

ज़्यादा न खाएँ- बहुत ज़्यादा खाने से पाचन तंत्र ओवरलोड हो जाता है इसलिए खानपान में होने वाले बदलावों के प्रति सचेत रहें। आपका शरीर एक हद तक आपके खाने के हिसाब से खुद को ढाल लेता है। लेकिन अगर आप अचानक अलग-अलग तरह के खाद्य पदार्थ खाने लगते हैं, तो पाचन तंत्र इस बदलाव को संभालने में संघर्ष करता है।

दाल में घी मिलाकर खाना चाहिए या फिर नहीं

घी में पाए जाने वाले तमाम पौष्टिक तत्व आपकी ओवरऑल हेल्थ को काफी हद तक बूस्ट कर सकते हैं। अब सवाल ये उठता है कि घी को डाइट में शामिल करने का सही तरीका क्या है? कुछ लोग रोटी में घी लगाकर खाते हैं, तो कुछ लोग दाल में घी मिक्स कर खाना पसंद करते हैं। आपकी जानकारी के लिए बता दें कि आयुर्वेद के मुताबिक दाल में घी मिलाकर सेवन करना आपकी सेहत के लिए ज्यादा फायदेमंद साबित हो सकता है। दाल में महज एक चम्मच घी मिलाकर खाएं और खुद-ब-खुद पॉजिटिव असर देखें।

अगर आप दाल में घी डालकर खाएंगे तो आपकी गट हेल्थ को काफी हद तक सुधारा जा सकता है। कब्ज और अपच जैसी पेट से जुड़ी बीमारियों को दूर करने के लिए इस तरह से घी का सेवन किया जा सकता है। सही मात्रा में घी कंज्यूम करने से आप अपनी वेट लॉस जर्नी को भी आसान बना सकते हैं। दाल में घी मिक्स कर खाने से आपकी हड्डियों को मजबूती मिलेगी जिससे आप जोड़ों के दर्द की समस्या का शिकार बनने से बच सकते हैं।

मजबूत बनाए इम्यून सिस्टम

अगर आपकी इम्यूनिटी कमजोर है तो आपको दाल में घी मिक्स करके जरूर खाना चाहिए। इस तरीके से घी को अपने डाइट प्लान में शामिल करके आप अपने इम्यून सिस्टम को काफी हद तक मजबूत बना सकते हैं। दिल की सेहत के लिए भी घी में पाए जाने वाले तत्व फायदेमंद साबित हो सकते हैं। शरीर की थकान और कमजोरी दूर करने के लिए भी घी को दाल में मिलाकर कंज्यूम किया जा सकता है।

गौर करने वाली बात

घी आपकी ब्रेन हेल्थ को भी इम्प्रूव कर सकता है। हालांकि, बेहतर परिणाम हासिल करने के लिए घी को लिमिटेड मात्रा में ही कंज्यूम करना चाहिए। इसके अलावा आपको घी की शुद्धता की जांच भी कर लेनी चाहिए। मिलावटी घी कंज्यूम करने से आपकी सेहत पर पॉजिटिव की जगह नेगेटिव असर भी पड़ सकता है।

अनिल कपूर ने पूरा किया 'सूबेदार' का शेड्यूल

बॉलीवुड अभिनेता ने अपनी आगामी फिल्म 'सूबेदार' का शेड्यूल पूरा कर लिया है। इस फिल्म में वह मुख्य भूमिका निभा रहे हैं। सोमवार को अभिनेता ने सोशल मीडिया पर सेट से कई बीटीएस तस्वीरें शेयर कीं।

अनिल कपूर ने लिखा भावुक नोट

अभिनेता ने बीटीएस तस्वीरों के साथ एक नोट भी लिखा। उन्होंने कैप्शन में लिखा, सपनों से हकीकत तक, दृष्टि से निर्माण तक, 'सूबेदार' समर्पण और दिल से आकार लेता है! शेड्यूल पूरा हो गया है, लेकिन जादू अभी शुरू हो रहा है। टीम, जुनून और यात्रा के लिए आभारी हूं।

क्या है फिल्म की कहानी?

'सूबेदार' की अर्जुन मौर्य अनिल कपूर द्वारा अभिनीत के इर्द-गिर्द घूमती है, जो एक पूर्व सैनिक है। अनिल कपूर का किरदार जैसे-जैसे वह व्यक्तिगत और सामाजिक चुनौतियों का सामना करता है, उसे अपनी बेटी श्यामा के साथ अपने तनावपूर्ण संबंधों को सुधारना होगा। कभी देश के लिए लड़ने वाले एक सैनिक सूबेदार को अब अपने घर और परिवार की रक्षा के लिए अंदर के दुश्मनों से लड़ना पड़ता है।

फिल्म का निर्देशन सुरेश त्रिवेणी ने किया है और इसका निर्माण विक्रम मल्होत्रा, अनिल कपूर और त्रिवेणी ने मिलकर किया है। फिल्म का प्रीमियर प्राइम वीडियो पर होगा।

अनिल कपूर का वर्क फंट

अनिल कपूर के आगामी कार्यों की बात करें तो उनकी पाइपलाइन में पास 'वॉर 2' है, जिसमें वह ऋतिक रोशन और जूनियर एनटीआर के साथ नजर आएंगे। अभिनेता के पास यशराज फिल्म्स की स्पाई यूनिवर्स फिल्म अल्फा' भी है, जिसमें वह आलिया भट्ट के साथ स्क्रीन साझा करेंगे।

फिल्म जेलर के गाने कवाला से लेकर स्त्री 2 के आज की रात तक में अपनी अदाओं और डांस मूव्स से हर किसी को झूमने पर मजबूर करने वाली ऐक्ट्रेस तमन्ना भाटिया इन दिनों चर्चा में हैं, अपनी फिल्म सिकंदर का मुकद्दर को लेकर। नीरज पांडे निर्देशित इस फिल्म में तमन्ना एक ऐसी सिंगल मदर बनी हैं जो हीरों की चोरी के आरोप में फंस जाती है।

डांस ऐसा करो कि दूसरे नाचने पर मजबूर हो जाए

फिल्म मुकद्दर का सिकंदर का से जुड़ने की खास वजह क्या रही? कैसा अनुभव रहा?

यह फिल्म करने की सबसे बड़ी वजह ये रही कि मुझे नीरज सर की फिल्में हमेशा से बहुत पसंद रही हैं। उनकी फिल्मों में जिस तरह बहुत ही आम लोगों की कहानी होती है, जो बहुत ही अजीब परिस्थिति में पड़ जाते हैं और फिर उन हालातों से वे कैसे जूझते और निकलते हैं, वो मुझे बहुत अच्छा लगता है। मुझे लगता है कि ये उनकी एक थीम है तो जब मैंने ये स्क्रिप्ट पढ़ी तो मुझे लगा कि यह एक अलग दुनिया है और हिंदी फिल्मों में निश्चित तौर पर लोगों ने मुझे अब तक ऐसे रोल में नहीं देखा है। फिर, यह साल बहुत ही दिलचस्प रहा है, क्योंकि बहुत अलग-अलग किस्म की फिल्में आई हैं। ऐसे में, इस तरह की फिल्म के लिए यह एक बेहतरीन समय है। यह एक तेज रफ्तार की हीस्ट थ्रिलर है। आप जैसे-जैसे इन किरदारों की जिंदगी को समझने लगते हैं, उनसे जुड़ते जाते हैं, तो मेरे लिए कुल मिलाकर यह एक बहुत अच्छा अनुभव रहा।

इन दिनों हर तरफ आपके डांस नंबर्स का जलवा है, वो फिर कवाला हो या आज की रात, हर कोई इन पर झूम रहा है। आपके लिए डांस क्या है?

डांस से मेरा रिश्ता बहुत ही दिलचस्प रहा है, क्योंकि मैंने डांस सीखा नहीं है। मैं ट्रेंड डांसर नहीं रही हूं। मैं कभी डांस स्कूल नहीं गई। मैंने सेट पर ही डांस सीखा है तो मैं अपने डांस का श्रेय उन सभी कोरियोग्राफर्स को देना चाहूंगी, जिनसे मैंने सीखा। प्रभु देवा सर, राज सुंदरम सर, प्रेम रक्षित सर, वृंदा मैम और साउथ के बहुत सारे कोरियोग्राफर्स ही मेरे टीचर रहे हैं। उन्होंने मुझे फिल्म डांस समझने में काफी मदद की, क्योंकि फिल्म डांस बाकी से काफी अलग होता है। मेरा मानना है कि डांस शो ऑफ करने की चीज नहीं है कि मैं ये मुश्किल स्टेप कर सकती हूं। डांस ऐसा होना चाहिए कि उसे देखकर दूसरे का मन भी नाचने के लिए मचल जाए। मेरी कोशिश कभी ये नहीं होती कि देखो, मैं कितने मुश्किल स्टेप कर सकती हूं, मेरी कोशिश यही रहती है कि जब कोई मेरी ओर देखे और उसे मेरे अंदर की मस्ती या कोई एक्सप्रेशन पसंद आ जाए और उनका मन भी डांस करने का कर जाए और शायद इसीलिए लोग उससे कनेक्ट करते हैं।

बॉयफ्रेंड एंटनी के साथ दो वेडिंग सेरेमनी करेंगी कीर्ति सुरेश

कुछ दिन पहले अभिनेत्री कीर्ति सुरेश अपने माता-पिता के साथ आंध्र प्रदेश के तिरुपति में स्थिति श्री वेंकटेश्वर स्वामी मंदिर पहुंची थी। यहां उन्होंने भगवान का आशीर्वाद लिया। जब वह मंदिर के बाहर आई तो उन्होंने मीडिया को बताया कि वह अपनी अगली फिल्म की सफलता के लिए भगवान का आशीर्वाद लेने आई, साथ ही दिसंबर महीने में उनकी गोवा में शादी है। इस तरह से कीर्ति सुरेश ने अपनी होने वाली शादी की बात को कंफर्म कर दिया था। अब खबर है कि वह दो तरह से शादी करेंगी यानी फैंस को उनकी दो वेडिंग सेरेमनी देखने को मिलेंगी।

हिंदू-क्रिशियन वेडिंग होगी

कीर्ति धर्म से हिंदू हैं और एंटनी क्रिशियन, यही कारण है कि दोनों अपने-अपने धर्मों के रीति-रिवाज से शादी करेंगे। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार 12 दिसंबर 2024 को दोनों शादी के बंधन में बंध जाएंगे। सुबह हिंदू रीति से शादी होगी और उसी दिन शाम को क्रिशियन रीति से कीर्ति और एंटनी शादी करेंगे। इस तरह से कीर्ति के फैंस को उनकी दो वेडिंग सेरेमनी देखने को मिल सकती हैं। वह दो तरह के दुल्हन के गेटअप में नजर आएंगी। कीर्ति सुरेश बॉयफ्रेंड एंटनी को लगभग 15 साल से डेट कर रही हैं। उन्होंने अब तक अपने रिश्ते को दुनिया के सामने जाहिर नहीं किया। कुछ दिन पहले ही एंटनी के साथ उन्होंने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट डाली जिसमें अपने इतने लंबे साथ की बात को बयां किया था। अब इन दोनों के प्यार को मंजिल मिल गई, दोनों दिसंबर में गोवा में शादी कर रहे हैं। कीर्ति सुरेश एक तरफ अपनी शादी में व्यस्त हैं। वहीं वह अपनी आने वाली फिल्म बेबी जॉन को लेकर भी उत्साहित हैं। इस फिल्म में वह अभिनेता वरुण धवन की पत्नी के रोल में नजर आएंगी। वरुण धवन के साथ काम करने के एक्सपीरियंस को वह यादगार भी बताती हैं।

शादी के बाद शोबिज को अलविदा कह देंगी शोभिता धुलिपाला? नागा चैतन्य ने बताई सच्चाई

नागा चैतन्य और शोभिता धुलिपाला के वेडिंग फंक्शन जोरो-शोरों से जारी हैं। कुछ सालों की डेटिंग के बाद नागा और शोभिता ने शादी कर हमेशा साथ रहने का फैसला कर लिया है। इसी कड़ी में नागा ने अपने हालिया इंटरव्यू में शादी को लेकर बात की। इस दौरान उन्होंने उस सवाल का भी जवाब दिया जो सभी प्रशंसकों के मन में है कि क्या शोभिता अपनी शादी के

नागा ने दी प्रतिकिया

इंटरव्यू के दौरान जब नागा चैतन्य से पूछा गया कि क्या शोभिता उनकी तरह फिल्मों में अपना करियर जारी रखेंगी, तो बिना किसी हिचकिचाहट के नागा ने कहा, हां, बिल्कुल। अभिनेता ने अपने कबूलनामे के बाद हर प्रशंसक के संदेह को दूर कर दिया और नेटिजन्स यह सुनकर खुश होंगे कि इतने प्रभावशाली फिल्मी परिवार में शादी के बाद भी उन्हें शोभिता की जादुई स्क्रीन उपस्थिति का अनुभव मिलेगा। उसी इंटरव्यू में नागा चैतन्य ने शोभिता धुलिपाला के परिवार के बारे में भी खुलकर बात की। उन्होंने कहा, प्रत्येक तेलुगु घराने की तरह, शोभिता का परिवार भी बहुत सम्मानित और प्यारा है। मेरे साथ बेटे की तरह व्यवहार किया जाता है। नागा चैतन्य ने आगे कहा, शुरू से ही बहुत आराम और कई चीजें समान रही हैं। शोभिता एक पारिवारिक लड़की हैं, और हमारे पास सब कुछ है उन्होंने कुछ त्यौहार भी एक साथ मनाए, मुझे यकीन है कि समय के साथ हमारा बंधन और भी मजबूत होगा।

नागा-शोभिता का वर्कफंट

नागा चैतन्य का अगला प्रोजेक्ट थंडेल है, जो 7 फरवरी, 2025 को रिलीज होने वाला है। एक अनटाइटल्ड प्रोजेक्ट भी है जिसका वह हिस्सा हैं। दूसरी ओर, शोभिता को आखिरी बार लव, सितारा और एमी-नामांकित शो द नाइट मैनेजर में देखा गया था।

विक्रांत मैसी के सिनेमा से ब्रेक पर बोले हर्षवर्धन राणे

विक्रांत मौसी ने सोमवार को अपने फिल्मी करियर से ब्रेक लेने की घोषणा की है। सोशल मीडिया पर की इस घोषणा के बाद विक्रांत मैसी चर्चा में आ गए हैं। विक्रांत को विधु विनोद चोपड़ा की फिल्म 12वी फेल से पहचान मिली, इन दिनों वे द साबरमती रिपोर्ट में नजर आ रहे हैं। विक्रांत के इस एलान के बाद लोग तरह- तरह के कयास लगा रहे हैं। खबरों की मानें तो लोग विक्रांत मैसी के करियर को लेकर चर्चा कर रहे हैं, कहीं ये पीआर स्टंट तो नहीं है।

ये एक अस्थायी ब्रेक हो सकता है। ये हमेशा का रिटायरमेंट है या नहीं इसे लेकर संशय बना हुआ है। ये किसी अन्य प्रोजेक्ट को लेकर कोई रणनीति तो नहीं है। इसको लेकर विक्रांत मैसी के सह कलाकार हर्ष वर्धन राणे ने कुछ बातें रखी हैं। हर्षवर्धन राणे ने कहा कि ये पीआर एक्टिविटी हो सकती है। उन्होंने उम्मीद जताई कि विक्रांत बॉलीवुड सुपरस्टार आमिर खान की तरह फिल्में बनाना शुरू कर देंगे। हर्षवर्धन ने कहा विक्रांत सुलझे हुए और स्पष्ट व्यक्ति हैं। विक्रांत मैसी के काम के तरीके का मैं हमेशा सम्मान करता हूं। मैं आशा करता हूं कि यह किसी फिल्म निर्माता द्वारा उन पर थोपी गई कोई पीआर गतिविधि हो।

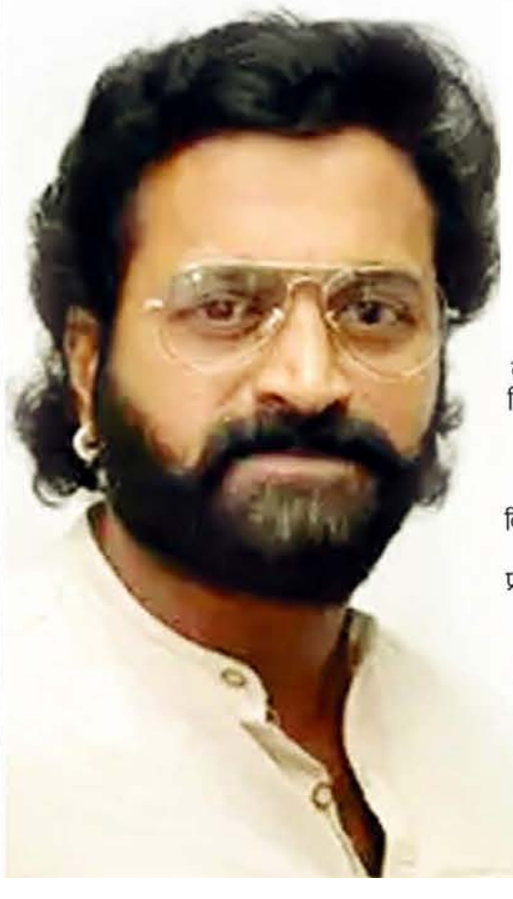

शिवाजी महाराज की भूमिका निभाएंगे कांतारा फेम ऋषभ शेट्टी

कंतारा स्टार ऋषभ शेट्टी ने निर्देशक संदीप सिंह की आगामी ऐतिहासिक ड्रामा द प्राइड ऑफ भारत- छत्रपति शिवाजी महाराज में छत्रपति शिवाजी महाराज की भूमिका निभाएंगे। फिल्म का पहला पोस्टर जारी किया जा चुका है, जिसमें शिवाजी महाराज के किरदार में ऋषभ शेट्टी को देखकर प्रशंसक बेहद उत्साहित हैं। भारतीय राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार विजेता अभिनेता ऋषभ शेट्टी ने इस ऐतिहासिक फिल्म द प्राइड ऑफ भारत- छत्रपति शिवाजी महाराज में छत्रपति शिवाजी महाराज की भूमिका में नजर आएंगे। फिल्म का पहला पोस्टर कुछ ही देर पहले ऋषभ शेट्टी ने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर साझा किया है, जिसे लेकर कंतारा स्टार ऋषभ के प्रशंसक बेहद खुश और उत्साहित हैं। बतौर निर्देशक संदीप की ये दूसरी फिल्म है। ऋषभ ने इंस्टाग्राम पर फिल्म का पोस्टर साझा किया और लिखा, हमारा सम्मान और विशेषाधिकार, भारत के महानतम योद्धा राजा - भारत के गौरव की महाकाव्य गाथा प्रस्तुत है। इसके साथ ही ऋषभ ने बताया कि फिल्म 21 जनवरी 2027 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी

शिवाजी की बायोपिक

शिवाजी की बायोपिक निर्देशक के तौर पर यह संदीप की पहली फीचर फिल्म होगी। इस प्रोडक्शन में महान योद्धा राजा की कहानी को पर्दे पर लाने के लिए अंतरराष्ट्रीय तकनीकी और बेहतरीन ग्रॉफिक्स का इस्तेमाल किया जाएगा। ऋषभ शेट्टी निर्देशक संदीप की फिल्म द प्राइड ऑफ भारत- छत्रपति शिवाजी महाराज में छत्रपति शिवाजी महाराज की भूमिका में नजर आएंगे। ऋषभ शेट्टी ने कहा, छत्रपति शिवाजी महाराज की भूमिका निभाना शब्दों से परे सम्मान की बात है। वे एक राष्ट्रीय नायक हैं जिनका प्रभाव इतिहास से परे है और मुझे उनकी कहानी को स्क्रीन पर लाने में बहुत गर्व महसूस होगा।

फिल्म को लेकर संदीप सिंह का बयान

संदीप सिंह ने टोरंटो टाइटल, बॉक्सिंग बायोपिक मैरी कॉम में उन्होंने सह-निर्माता के रूप में काम किया। इसके अलावा संदीप ने अलीगढ़ और स्लम सॉकर फिल्म झुंड सहित कई फिल्मों का निर्माण किया है। संदीप ने बायोपिक पीएम नरेंद्र मोदी और बायोपिक मैं अटल हूं और स्वातंत्र्य वीर सावरकर का निर्माण किया है। संदीप सिंह ने कहा, ऋषभ शेट्टी इस भूमिका के लिए मेरी पहली और एकमात्र पसंद थे। ऋषभ वाकई में छत्रपति शिवाजी महाराज की ताकत, भावना और वीरता का प्रतीक हैं। यह फिल्म कई सालों से मेरा सपना रही है और इस कहानी को सिल्वर स्क्रीन पर लाना मेरे लिए सौभाग्य और सम्मान की बात है।

फिल्म जी ले जरा को लेकर प्रियंका चोपड़ा ने तोड़ी चुप्पी

फरहान अख्तर ने साल 2021 में फिल्म जी ले जरा का एलान किया था। उन्होंने यह भी साझा किया था कि फिल्म में आलिया भट्ट और कैटरीना कैफ मुख्य भूमिका में होंगी। इतना ही नहीं प्रियंका चोपड़ा भी जी ले जरा का हिस्सा हैं। हालांकि, एलान के बाद से फिल्म पर कोई बड़ा अपडेट सामने नहीं आया है। वहीं, अब इस पर प्रतिक्रिया देते हुए प्रियंका ने कहा, आपको इस बारे में एक्सेल एंटरटेनमेंट से बात करनी होगी। प्रियंका ने बॉलीवुड में अपनी वापसी का संकेत देते हुए खुलासा किया कि वह फिल्म निर्माताओं से मिल रही हैं और स्क्रिप्ट पढ़ रही हैं।

ग्रेटर नोएडा में किसानों ने धरना समाप्त करने का किया ऐलान

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण पर विगत कुछ माह से धरनारत किसानों ने

बृहस्पतिवार को धरना समाप्त कर दिया है। जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा और ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के एसीईओ सौम्य श्रीवास्तव व सुनील कुमार सिंह के साथ बृहस्पतिवार देर शाम को बोर्ड रूम में भारतीय किसान यूनियन (अराजनैतिक) के जिलाध्यक्ष महेंद्र मुखिया के नेतृत्व में किसानों की बैठक में सहमति बन गई है।

किसानों की मांगों को हल करने के लिए प्राधिकरण में हर बृहस्पतिवार को बैठक होगी, जिसमें प्राथमिकता के आधार पर मसले हल किए जाएंगे। साथ ही नीतिगत मसले प्राधिकरण बोर्ड के समक्ष रखे जाएंगे। बता दें कि औद्योगिक इकाइयों , शिक्षण संस्थानों व वाणिज्यिक प्रतिष्ठानों में किसानों के बच्चों को रोजगार व शिक्षा में आरक्षण, आबादी भूखंडों के विभाजन की स्पष्ट नीति, बैंक लीज की समस्याओं का प्राथमिकता पर निस्तारण आदि मांगों को लेकर ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण पर विगत कुछ माह से धरना दे रहे थे।

इस बैठक में एडीएम अतुल कुमार, पुलिस अधिकारी ह्रदेश कुमार, प्राधिकरण के एसडीएम जितेंद्र गौतम व रामनयन सिंह सहित अन्य अधिकारीगण मौजूद रहे।

जीबीयू में जुटे बड़े-बड़े दिग्गज, AI पर मंथन

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। ग्रेटर नोएडा में स्थित गौतमबुद्ध विश्वविद्यालय (जीबीयू) में बड़े-बड़े शिक्षाविद दिग्गज एकत्रित हुए हैं। ग्रेटर नोएडा के जीबीयू में एकत्रित होकर शिक्षा जगत के दिग्गज बहुत ही महत्वपूर्ण विषय पर मंथन कर रहे हैं। उनका मंथन रिसर्च में आर्टिफिशियल इंटैलीजैंस (एआई) के योगदान तथा एआई के महत्व को लेकर हो रहा है। ग्रेटर नोएडा में यह मंथन पूरे 10 दिन तक चलेगा।

आपको बता दें कि ग्रेटर नोएडा में देश का प्रसिद्ध विश्वविद्यालय स्थापित है। ग्रेटर नोएडा में स्थापित इस विश्वविद्यालय का नाम गौतमबुद्ध विश्वविद्यालय है। इस विश्वविद्यालय को जीबीयू के नाम से भी जाना जाता है। ग्रेटर नोएडा के इसी जीबीयू में रिसर्च में एआई के महत्व पर 10 दिन का कोर्स शुरू हुआ है। इस कोर्स का उद्घाटन 3 दिसंबर को पूरे भव्य आयोजन के साथ किया गया। 10 दिन के इस आयोजन में रिसर्च में एआई के योगदान पर बारीकी के साथ अध्ययन किया जाएगा।

यह कोर्स जीबीयू के स्कूल ऑफ मैनेजमेंट द्वारा आयोजित किया जा रहा है। पूरा कोर्स आईसीएसएसआर द्वारा प्रायोजित किया गया है।

ग्रेटर नोएडा के जेबीयू में शुरू हुए कोर्स के उद्घाटन समारोह में शिक्षा जगत की दिग्गज हस्तियों ने भाग लिया। उद्घाटन कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि, प्रोफेसर आर.के. सिन्हा (कुलपति गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय), प्रो.डी.के. मदान (पंजाबी विश्वविद्यालय, पटियाला), प्रो. एन.पी.मेल्कानिया (डीन एकेडमिक्स)सहित डॉ. इंदु उप्रेती (डीन, एसओएम), प्रोफेसर श्वेता आनंद (पाठ्यक्रम निदेशक), और डॉ. वर्षा दीक्षित (पाठ्यक्रम सह-निदेशक) शामिल थे। पाठ्यक्रम का उद्देश्य अनुसंधान में एआई का एकीकरण है।

इस मौके पर बोलते हुए पाठ्यक्रम निदेशक प्रोफेसर श्वेता आनंद ने इस आयोजन के बारे में उत्साह व्यक्त करते हुए कहा कि यह शोध पद्धति पाठ्यक्रम विद्वानों के लिए अपने शोध कौशल को निखारने और उन्नत पद्धतियों की समझ को व्यापक बनाने का एक अमूल्य अवसर है। हम अपने ज्ञान और विशेषज्ञता को साझा करने के लिए पूरे भारत से विशेषज्ञों को एक साथ लाकर रोमांचित हैं। प्रो.आर.के. सिन्हा, कुलपति गौतमबुद्ध विश्वविद्यालय ने इस तरह की पहल के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि यह कार्यक्रम अकादमिक उत्कृष्टता और अनुसंधान के लिए जीबीयू की प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है। आईसीएसएसआर के समर्थन से, हमारा लक्ष्य सभी प्रतिभागियों को एक समृद्ध शिक्षण अनुभव प्रदान करना है। प्रोफेसर डी.के.मदान ने भारतीय अर्थव्यवस्था में जीडीपी की भूमिका, सतत विकास के महत्व और नीति निर्माण में अनुसंधान की भूमिका पर प्रकाश डाला। यह निर्णय निर्माताओं के लिए बहुत मददगार हो सकता है। कार्यक्रम का समापन कार्यशाला की सह-पाठ्यक्रम निदेशक डॉ. वर्षा दीक्षित के धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ।

मकान मालिक ने किराएदार को रॉड से पीटा

नोएडा (चेतना मंच)। नोएडा के कोतवाली 24 इलाके में किराया न मिलने पर मकान मालिक ने अपने गुर्गे लेकर किराएदार की पिटाई कर डाली। इस मारपीट का वीडियो भी वायरल हो रहा है। किराएदार सुनील चौहान को जब मकान मालिक के गुर्गो ने पीटा, उस समय वो जिम के बाहर बैठा हुआ था। मारपीट की पूरी घटना से सीसीटीवी कैमरे में हुई कैद, सीसीटीवी कैमरे में दिखाई दे रहा है कि सुनील चौहान कुर्सी पर बैठा है और कुछ लोग आते है उसमें एक शख्स मकान में अंदर से रॉड लेकर आता है और कुर्सी पर बैठे हुए शख्स पर हमला कर देता है। कुल चार लोगों ने सुनील की पिटाई की है। इस घटना में सुनील बुरी तरह घायल हो गया है।

जब सुनील की पिटाई हो रही थी तो उसकी चीख सुनकर एक शख्स वहां पहुंचा। उसे देख पिटाई करने वाले वहां से भाग गए। फिर उसी शख्स ने सुनील को अस्पताल पहुंचाया। फिलहाल सुनील का इलाज चल रहा है। वहीं, सेक्टर-24 थाने की पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

'किसानों को रिहा न किया तो सड़कों पर उतरेगी सपा'

नोएडा (चेतना मंच)। समाजवादी पार्टी विधानसभा क्षेत्र नोएडा की मासिक बैठक सेक्टर 53 स्थित सपा कार्यालय पर

विधानसभा अध्यक्ष बबलू चौहान के संयोजन में हुई। बैठक की अध्यक्षता प्रदेश सचिव जय करण चौधरी ने की एवं महानगर महासचिव विकास यादव प्रभारी के रूप में मौजूद रहे।

बैठक में नोएडा की विभिन्न समस्याओं पर व्यापक विचार विमर्श किया गया जिसमें प्रमुख रूप से किसान आंदोलन में किसानों की हुई असंवैधानिक गिरफ्तारी, विधानसभा के बूथों पर बूथ अध्यक्षों की नियुक्ति, गांव व सेक्टरों में रुके विकास कार्यों सहित तमाम स्थानीय समस्याओं पर चर्चा की गई।

इस अवसर पर महानगर अध्यक्ष डॉ आश्रय गुप्ता ने कहा कि उत्तरप्रदेश सरकार किसानों के साथ अन्याय कर रही है। किसान अपनी मांगों को लेकर धरना दे रहे थे लेकिन जिस तरह उनकी गिरफ्तारी हुई वह निंदनीय है। ऐसा लगता है जैसे किसान ना हों कोई आतंकवादी हो। गिरफ्तार किसानों को तुरंत रिहा किया जाए नहीं तो सपा सड़क पर उतरने पर मजबूर होगी। इस अवसर पर सपा के वरिष्ठ नेता राघवेंद्र दुबे ने कहा कि सपा सरकार में नोएडा में ऐतिहासिक कार्य हुए लेकिन अब विकास कार्य पूरी तरह से ठप हो चुके हैं। हर गांव और सेक्टर में स्थिति बेहद खराब है। भाजपा सरकार से प्रदेश की जनता परेशान है 2027 में अखिलेश यादव के नेतृत्व में सपा सरकार बनेगी।

इस अवसर पर बबलू चौहान ने कहा कि जनता त्रस्त है और अधिकारी मस्त है। जहां सपा सरकार में विकास की गंगा बह रही थी वहीं भाजपा सरकार में विकास पूरी तरह से ठप हैं। प्रदेश सचिव मनोज चौहान ने कहा कि नोएडा में धरनारत किसानों के साथ सरकारी बर्बरता निंदनीय है।

इस मौके पर प्रदेश सचिव मनोज चौहान, बाबू प्रधान, राणा मुखर्जी, सुशील पाल, रणजीत पटेल,सौरभ चौहान, रोहित यादव, संतोष चौटाला, मोहित कुमार, सादाब खान, नीर अवाना,राकेश यादव, मयंक लाल, आलोक वर्मा,शिवम् चौहान, संकी चौहान, लवनेश चौहान,जितेंद्र कुमार सहित तमाम कार्यकर्ता मौजूद रहे।

ईवीएम वेयर हाउस में 'ऑल इज वेल'

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। जिला मजिस्ट्रेट/जिला निर्वाचन अधिकारी मनीष कुमार वर्मा ने आज कलेक्ट्रेट में स्थित ईवीएम/वीवीपैट वेयर हाउस

जिलाधिकारी ने निरीक्षण कर दिये निर्देश

में पहुंचकर मासिक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान वेयर हाउस की सभी व्यवस्थाएं दुरूस्त पाई गई।

जिला मजिस्ट्रेट ने वेयर हाउस में निरीक्षण के दौरान सुरक्षा व्यवस्था में लगे संबंधित पुलिस स्टाफ से वार्ता करते हुए ईवीएम मशीनों की सुरक्षा के संबंध में आवश्यक दिशा निर्देश प्रदान किये। उन्होंने ईवीएम/वीवीपैट वेयर हाउस के ताले पर लगी सील की जांच की, जो की सही पाई गई। जिला मजिस्ट्रेट द्वारा सीसीटीवी कैमरों का भी गहनता से देखा सभी कैमरे क्रियाशील पाए गए।

उन्होंने अधिकारियों को ईवीएम मशीनों की सुरक्षा के दृष्टिगत सभी व्यवस्थाएं सुदृढ़ रखने के दिशा निर्देश दिये।

दिव्यांग छात्रों को उच्च शिक्षा के समान मौके मिलें : डा. शुक्ला

नोएडा (चेतना मंच)। अंतरराष्ट्रीय दिव्यांगजन दिवस 2024 के उपलक्ष्य में दिव्यांग छात्रों को सशक्त बनाने और उन्हे मुख्य धारा में उचित स्थान दिलाने के लिए एमिटी विश्वविद्यालय के एमिटी इंस्टीटयूट ऑफ रिहेबिलिटिशन साइंसेस द्वारा ''दिव्यांग छात्रों के लिए उच्च शिक्षा तक समान पहुंच की आकांक्षाएं और समायोजन'' विषय पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इस संगोष्ठी का शुभारंभ एमिटी विश्वविद्यालय की वाइस चांसलर डा बलविंदर शुक्ला, ऑटिज्म स्पेक्ट्रम विकार वाले व्यक्तियों की शिक्षा में विशेषज्ञ डा रश्मी दास, दिल्ली विश्वविद्यालय के सेंटर फॉर डिस्सेबिलिटीज स्टडीज के निदेशक डा अनिल कुमार, अनेजा, शिक्षण विकलांगता वाले व्यक्तियों की शिक्षा में विशेषज्ञ डा गीत ओबरॉय, एएफडीडी के वरिष्ठ निदेशक डा एस के श्रीवास्तव और एमिटी इंस्टीटयूट ऑफ रिहेबिलिटिशन साइंसेस की निदेशक डा जयंती पुजारी द्वारा किया गया।

एमिटी विश्वविद्यालय की वाइस चांसलर डा बलविंदर शुक्ला ने संबोधित करते हुए कहा कि हमारा विश्वास है और मानना है कि जब आपका कोई शरीर का भाग कम कार्य करता है या कोई विकार आ जाता है तो आपके अन्य ज्ञानेन्द्रीयों और शरीर की कार्यक्षमता बढ़ जाती है। हमें दिव्यांगजनों के समावेश के लिए उनकी आवश्यकताओं को समझना होगा और समान

अवसर प्रदान करना होगा। शिक्षा सभी का मूलभूत अधिकार है और उच्च शिक्षा में उन्हे भी रूचि के अनुसार ज्ञान प्राप्त करने का समान अवसर प्राप्त होना चाहिए। हमें दिव्यांगजनों को शिक्षण के अवसर प्रदान करके उन्हे कौशल और ज्ञान के विकसित करने के अवसर देने चाहिए जिससे वे रोजगार व उद्यम प्रारंभ करके अकांक्षाओं को पूर्ण कर सके।

ऑटिज्म स्पेक्ट्रम विकार वाले व्यक्तियों की शिक्षा में विशेषज्ञ डा रश्मी दास ने कहा कि इस प्रकार की संगोष्ठी इस क्षेत्र में छात्रों के ज्ञान व कौशल में वृद्धि करेगें। दिव्यांगजनों की क्षमता को बढ़ाकर उनके नेतृत्व के गुण को विकसित करना होगा। सरकारों द्वारा हाल के वर्षो में हाशिए या भेदभाव होने वाले दिव्यांगजनों के विकास हेतु कोई भी नई निती लागू नही की गई है। इसके लिए अनिवार्य सीएसआर जैसी नितियों को लागू करना आवश्यक है। दिव्यांगजनों की उच्च शिक्षा और विद्यालयी शिक्षा पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है। इसके लिए क्षमता विकास, स्कूली बोर्ड को दिशा निर्देश, समूह शिक्षा आदि को व्यापक बनाना होगा। डा दास ने कहा कि हमें दिव्यांगजनों को सर्टिफिकेट प्रदान करने के विशेष विद्यालय बोर्ड की आवश्यकता है।

दिल्ली विश्वविद्यालय के सेंटर फॉर डिस्सेबिलिटीज स्टडीज के निदेशक डा अनिल कुमार, अनेजा, शिक्षण विकलांगता वाले व्यक्तियों की शिक्षा में विशेषज्ञ डॉ. गीत ओबरॉय,एमिटी इंस्टीटयूट ऑफ रिहेबिलिटिशन साइंसेस की निदेशक डा. जयंती पुजारी भी अपने विचार रखे।

कोलंबिया में महिला कांस्टेबल प्रियंका ने लहराया परचम

नोएडा (चेतना मंच)। गौतमबुद्धनगर पुलिस कमिश्नरेट में तैनात महिला मुख्य

आरक्षी प्रियंका अरोड़ा ने लेटिन अमेरिकी पुलिस फायर गेम्स में जिले और पुलिस विभाग का नाम रोशन किया है। प्रियंका ने पुलिस फायर गेम्स में गोल्ड मेडल और दो ब्रांज मेडल जीते हैं। प्रियंका की इस जीत पर पुलिस विभाग में हर्ष है।

पुलिस कमिश्नर गौतमबुद्धनगर श्रीमती लक्ष्मी सिंह ने लेटिन अमेरिका पुलिस गेम्स में गोल्ड मेडल/ब्रांज मेडल जीतने वाली गौतमबुद्धनगर में तैनात महिला मुख्य आरक्षी प्रियंका अरोडा को 75 हजार रूपये के ईनाम से पुरस्कृत कर सम्मानित किया।

लेटिन अमेरिका पुलिस गेम्स जो कोलबिंया में आयोजित किये गये थे, जिसमें विभिन्न देशो के करीब 2500 खिलाडियों द्वारा प्रतिभाग किया गया था। प्रतियोगिता में पुलिस कमिश्नरेट गौतमबुद्धनगर में तैनात म0है0का0 प्रियंका अरोडा ने टेबल टेनिस प्रतियोगिता में गोल्ड मेडल प्राप्त किया है तथा टेबल टेनिस मिक्स डबल में ब्रांज मेडल तथा 100 मीटर रेस में भी ब्रांज मेडल प्राप्त किया है। प्रतियोगिता में मुख्य रूप से भारत, मेक्सिको, पनामा, बोलेविया, ब्राजील, इक्वेडोर व रूमानिया देशों के खिलाडियों ने प्रतिभाग किया था।

उत्तर प्रदेश पुलिस में कांस्टेबल के पद पर वर्ष-2011 में भर्ती हुई प्रियंका अरोडा इस समय पुलिस कमिश्नरेट गौतमबुद्धनगर में तैनात है।

प्रियंका को सम्मानित करते हुए गौतमबुद्धनगर की पुलिस आयुक्त श्रीमती लक्ष्मी सिंह ने कहा कि आज उत्तर प्रदेश ही नहीं पूरी दुनिया और यूपी पुलिस को प्रियंका पर गर्व है। प्रतिभा की धनी प्रियंका ने अपने जज्बे से देश का सिर गर्व से ऊंचा कर दिया है।

GRV BUILDCON
Concept to reality
ARCHITECTURE/ CONSTRUCTION / INTERIORS
WE DON'T DESIGN HOME/ OFFICE
WE DESIGN DREAMS!

Certified by :
ISO 9001 CERTIFIED
startupindia
MSME MICRO, SMALL & MEDIUM ENTERPRISES
Contact Us : 9999472324, 9999082512
www.grvbuildcon.com